हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक–264 : जौनपुर, मंगलवार 27 जून 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

आज भारी बारिश की संभावना, मोदी का लालपुर और पकरिया का कार्यक्रम स्थगित

एजेंसी

नयी दिल्ली। एमपी के सीएम शिवराज सिंह चौहान ने घोषणा करते हुए कहा कि पीएम मोदी के शहडोल दौरे की नई तारीख की घोषणा की जाएगी। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का कार्यक्रम रद्द नहीं बल्कि स्थगित किया गया है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मंगलवार को मध्य प्रदेश के शहडोल जिले का दौरा भारी बारिश की संभावना के कारण स्थगित कर दिया गया है। हालांकि वह भोपाल में कार्यक्रमों में शामिल होंगे, जहां पांच वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई जाएगी। एमपी के सीएम शिवराज सिंह चौहान ने घोषणा करते हुए कहा कि पीएम मोदी के शहडोल दौरे की नई तारीख की घोषणा की जाएगी। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का कार्यक्रम रद्द नहीं बल्कि स्थगित किया गया है।मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कल 27 जून को भारी बारिश की

संभावना के कारण प्रधानमंत्री मोदी का लालपुर और पकरिया का कार्यक्रम स्थगित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल्द ही मौसम की को देखते हुए दौरे की नई तिथि तय की जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी का भोपाल का दौरा यथावत है। शिवराज ने कहा कि टेंट और पंडाले वहां बरकरार रहेंगी। जल्द ही नई तारीखों का ऐलान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारी बारिश की संभावना जताई गई है। प्रधानमंत्री संवेदनशील व्यक्ति है, वह लोगों को परेशान नहीं करना चाहते हैं। मोदी का भोपाल का कार्यक्रम जारी रहेगा। शहडोल में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन का शुभारंभ करने वाले थे। वह लाभार्थियों को सिकल सेल जेनेटिक स्टेटस कार्ड भी वितरित करते। इसके अलावा एक अनूठी पहल में, प्रधान मंत्री शहडोल जिले के पकरिया गांव का दौरा करते और आदिवासी समुदाय के नेताओं, स्वयं सहायता समूहों, पेसा (पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, 1996) समितियों के नेताओं और ग्राम फुटबॉल क्लबों के कप्तानों के साथ बातचीत करते।भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मध्य प्रदेश के आठ जिलों में अगले 24 घंटों में भारी और बहुत भारी बारिश के अनुमान के मद्देनजर ऑरेंज अलर्ट और 22 जिलों में मूसलाधार बारिश के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। आईएमडी द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले में अगले 24 घंटों में (सोमवार सुबह साढ़े आठ बजे से मंगलवार सुबह साढ़े आठ बजे तक) कहीं–कहीं पर अत्यधिक बारिश (205.4 मिलीमीटर से अधिक) एवं गरज के साथ बारिश होने की संभावना है और इसके मद्देनजर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

फडणवीस तब स्कूल में पढ़ रहे होंगे, डिप्टी सीएम की आलोचनाओं का शरद पवार ने कुछ इस अंदाज में दिया जवाब

नयी दिल्ली। बारामती में पत्रकारों से बात करते हुए पवार ने कहा कि जब मैंने 1977 में सरकार बनाई, तो जनसंघ के रूप में भाजपा मेरे साथ थी। उत्तमराव पाटिल डिप्टी सीएम थे। वहां आडवाणी (हशू) थे। सबको साथ लेकर सरकार बनी है।राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस की उन पर निशाना साधने वाली टिप्पणी का जवाब दिया और कहा कि भाजपा नेता को इतिहास के बारे में जानकारी नहीं है और वे अज्ञानतावश बयान दे रहे हैं। इससे पहले, फडणवीस ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर विश्वासघात को लेकर हमला करने वाली पवार की टिप्पणी की आलोचना की थी। बीजेपी नेता ने 1977 में पवार के कांग्रेस से अलग होने और अपनी सरकार बनाने की बात का जिक्र करते हुए पूछा कि एकनाथ शिंदे के कदम को विश्वासघात कैसे कहा जा सकता है और शरद पवार ने 1977 में जो किया उसे कूटनीति कैसे कहा जा सकता है?

मादक पदार्थ मुक्त भारत के रास्ते पर मोदी सरकार, इसकी तस्करी नहीं होने दी जाएगी : अमित शाह

एजेंसी

नयी दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने अपने बयान में कहा कि आज नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर मैं ड्रग के विरुद्ध लड़ाई लड़ रहे हमारी सभी एजेंसियों को मन से बधाई देना चाहता हूं।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार भारत से मादक पदार्थों के खतरे को जड़ से खत्म कर देगी और देश के माध्यम से नशीले पदार्थों की तस्करी की अनुमति नहीं देगी। मादक पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर एक वीडियो संदेश में, शाह ने कहा कि गृह मंत्रालय ने नशीले पदार्थों के खिलाफ शून्य–सहिष्णुता की नीति अपनाई है और इस दृष्टिकोण के परिणाम आने शुरू हो गए हैं। शाह हमेशा ड्रग्स के खिलाफ होने के लिए राज्यों से अपील करते रहे हैं।गृह मंत्री अमित शाह ने अपने बयान में कहा कि आज नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर मैं ड्रग के विरुद्ध लड़ाई लड़ रहे हमारी सभी एजेंसियों को मन से बधाई देना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि पीएम

मोदी के मार्गदर्शन में गृह मंत्रालय ने नारकोटिक्स के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है आज उसके सफल परिणाम दिखने लगे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हमारा संकल्प है कि हम भारत में नारकोटिक्स का व्यापार नहीं होने देंगे और न ही भारत के माध्यम से ड्रग को विश्व के किसी और देश में जाने देंगे। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मादक पदार्थों के विरुद्ध इस व्यापक और समन्वित लड़ाई का ही असर है कि जहां 2006–13 में 768 करोड़ रुपए के नशीले पदार्थ जब्त हुए थे, वहीं 2014 से 2022 के बीच यह जब्ती लगभग 30 गुना बढ़कर 22 हजार करोड़ रुपये की हो गयी। उन्होंने कहा कि इसी तरह नशे का व्यापार करने वाले लोगों के विरुद्ध 2006 से 2013 की अवधि की तुलना में 2014 से 2022 के बीच 181 प्रतिशत अधिक मामले दर्ज किये गये।

मणिपुर हिंसा पर बोले मल्लिकार्जुन खरगे, सबसे पहले मणिपुर के मुख्यमंत्री को बर्खास्त करें प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मणिपुर में हिंसा के मामले को लेकर सोमवार को कहा कि पूरा देश प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी की 'मणिपुर की बात' सुनने का इंतजार कर रहा है और सबसे पहले उन्हें मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को उनके पद से बर्खास्त करना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मणिपुर में हिंसा के मामले को लेकर सोमवार को कहा कि पूरा देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'मणिपुर की बात' सुनने का इंतजार कर रहा है और सबसे पहले उन्हें मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को उनके पद से बर्खास्त करना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से यह आग्रह भी किया कि मणिपुर में सभी पक्षों से बातचीत करके साझा राजनीतिक समाधान निकाला जाए। खरगे ने ट्वीट किया, ''ऐसी खघ्बर है कि आखघ्रिकार मणिपुर पर गृहमंत्री (अमित शाह) ने प्रधानमंत्री मोदी जी से बात की है। पिछले 55 दिनों से मोदी जी ने मणिपुर पर एक शब्द नहीं कहा।पूरा देश उनकी मणिपुर की बात सुनने का इंतजार कर रहा है।'' उन्होंने कहा, ''अगर मोदी जी सही में मणिपुर के बारे में कुछ भी सोचते हैं तो सबसे पहले अपने मुख्यमंत्री को बर्खघस्त कीजिये। उग्रवादी संगठनों व असामाजिक तत्वों के पास से हथियार जब्त करें। सभी पक्षों से बातचीत शुरू करें और साझा राजनीतिक रास्ता निकाला जाए। सुरक्षा बलों की मदद से नाकेबंदी खघ्त्म करें।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी से यह आग्रह भी किया, ''राष्ट्रीय राजमार्गों को खोलकर और सुरक्षित कर आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें। प्रभावित लोगों के लिए राहत, पुनर्वास और आजीविका का पैकेज बिना देरी किए तैयार किया जाना चाहिए। घोषित राहत पैकेज अपर्याप्त है।'' खरगे ने कहा, ''भाजपा और मोदी सरकार का कोई भी दुष्प्रचार, मणिपुर हिंसा में उनकी घोर विफलताओं पर पर्दा नहीं डाल सकता।''मणिपुर में मेइती और कुकी समुदाय के बीच मई की शुरुआत में भड़की जातीय हिंसा में 100 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। गौरतलब है कि मणिपुर में अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में तीन मई को पर्वतीय जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' के आयोजन के बाद झड़पें शुरू हुई थीं। मणिपुर की 53 प्रतिशत आबादी मेइती समुदाय की है और यह मुख्य रूप से इंफाल घाटी में रहती है। वहीं, नगा और कुकी जैसे आदिवासी समुदायों की आबादी 40 प्रतिशत है और यह मुख्यतरू पर्वतीय जिलों में रहती है।

अगले पांच-सात वर्षों में सभी एमसीडी स्कूल का कायाकल्प करेंगे : अरविंद केजरीवाल

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने सरकारी स्कूलों में सुधार करके शहर की शिक्षा प्रणाली में अमीर और गरीब के बीच के अंतर को पाट दिया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने सरकारी स्कूलों में सुधार करके शहर की शिक्षा प्रणाली में अमीर और गरीब के बीच के अंतर को पाट दिया है। उन्होंने अगले पांच से सात वर्षों में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के सभी स्कूलों के पुनर्विकास का वादा किया। वह लिबासपुर गांव में सर्वोदय सह–शिक्षा विद्यालय का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। केजरीवाल ने दावा किया कि इस विद्यालय की कक्षाएं, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय और सभागार दिल्ली के निजी स्कूलों के मुकाबले काफी अच्छे हैं।उन्होंने कहा, ''पहले दिल्ली में सरकारी स्कूलों की हालत बहुत खराब हुआ करती थी। कक्षाएं तंबू के अंदर संचालित की जाती थीं, स्कूलों की छतें टूटी हुई थीं। वहां शौचालय या पीने के पानी तक की कोई व्यवस्था नहीं थी।

योगी आदित्यनाथ ने साधा अखिलेश यादव पर निशाना, कहा- सपा 'चिपको आंदोलन' में माहिर है

एजेंसी

नोएडा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ एकता को बढ़ावा देने के लिए पटना में आयोजित विपक्षी दलों की एक बैठक में शामिल होने वाली समाजवादी पार्टी (सपा) पर तंज कसते हुए रविवार को कहा कि अखिलेश यादव की पार्टी 'चिपको आंदोलन में माहिर' है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ एकता को बढ़ावा देने के लिए पटना में आयोजित विपक्षी दलों की एक बैठक में शामिल होने वाली समाजवादी पार्टी (सपा) पर तंज कसते हुए रविवार को कहा कि अखिलेश यादव की पार्टी 'चिपको आंदोलन में माहिर' है। भाजपा नेता ने गौतमबुद्ध नगर के नोएडा में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित कर रहे थे जिस दौरान उन्होंने 1719 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की 124 से अधिक विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा, राष्ट्रीय लोकदल, जनता दल–यूनाइटेड और अन्य दल जो खुद को जयप्रकाश नारायण (दिवंगत समाजवादी नेता) का अनुयाई कहते हैं, वे उन लोगों (कांग्रेस) से मिल गये जिन्होंने लोकतंत्र को कुचल दिया।

उन्होंने कहा कि जनता यह भी देख रही है कि वह कैसे अपने पाप और भ्रष्टाचार को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। आदित्यनाथ ने कहा, ''सपा का एक लंबा इतिहास है। जैसे कि वर्ष 2004 में उन्होंने बिना मांगे कांग्रेस को समर्थन दिया। हालांकि, कांग्रेस उनका समर्थन नहीं चाहती थी पर सपा ने इसके लिए दबाव बनाया। यह पार्टी 'चिपको आंदोलन में विशेषज्ञ' है।'' उन्होंने कहा कि सपा पहले भी ऐसा कर चुकी है और अब एक बार फिर ऐसा ही किया।चिपको आंदोलन का आशय वर्ष 1973 के अहिंसक आंदोलन से है जिसे आज के उत्तराखंड के स्थानीय लोगों ने वनों की कटाई के खिलाफ वृक्षों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए चलाया था। इस आंदोलन के तहत महिलाओं समेत स्थानीय लोग वृक्षों को बचाने के लिए उन्हें पकड़कर उनसे चिपक गये थे। पटना में विपक्षी दलों की बैठक गत 23 जून को हुई थी जिसमें सपा ने हिस्सा लिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि गौतमबुद्ध नगर जनपद के प्रति छह सालों के दौरान देश के लोगों की सोच बदली है। उन्होंने कहा कि इस जनपद ने उत्तर प्रदेश को एक नई पहचान दी है और यहां एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बन रहा है।उन्होने कहा कि इस वर्ष के अंत तक जेवर से हवाई यात्रा शुरू हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने गौतमबुद्ध नगर में फिल्म सिटी बनाए जाने का भी जिक्र किया। उन्होंने जेवर एयरपोर्ट के लिए जमीन देने वाले किसानों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि मथुरा, अयोध्या और वाराणसी समेत पूरे उत्तर प्रदेश में अब सिर्फ विकास हो रहा है और माफिया राज खत्म हो गया है।

बराक ओबामा पर निर्मला सीतारमण का पलटवार

एजेंसी

नयी दिल्ली। पलटवार करते हुए निर्मला सीतारमण ने कहा कि बराक ओबामा के कारण 6 मुस्लिम बहुल देशों पर बमबारी हुई। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी को 13 देशों ने अपने शीर्ष सम्मान से सम्मानित किया है जिनमें से छह मुस्लिम बहुल देश हैं।केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत में जातीय अल्पसंख्यकों की स्थिति पर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की टिप्पणी पर रविवार को तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। ओबामा ने अपनी टिप्पणी तब की जब पीएम नरेंद्र मोदी अमेरिका की 3 दिवसीय यात्रा पर थे। पलटवार करते हुए निर्मला सीतारमण ने कहा कि बराक ओबामा के कारण 6 मुस्लिम बहुल देशों पर बमबारी हुई। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी को 13 देशों ने अपने शीर्ष सम्मान से सम्मानित किया है जिनमें से छह मुस्लिम बहुल देश हैं।ओबामा के बयान पर पलटवार करते हुए निर्मला सीतारमण ने कहा कि मुझे आश्चर्य हुआ जब प्रधानमंत्री मोदी ...सभी के सामने भारत के बारे में बात कर रहे थे, तब पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति भारतीय मुस्लिमों को लेकर

बयान दे रहे थे। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि क्या उनके कार्यकाल (राष्ट्रपति रहते) में छह देशों, सीरिया, यमन, सऊदी, इराक और अन्य मुस्लिम देशों में बमबारी नहीं हुई? उन्होंने कहा कि हम अमेरिका के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं लेकिन वहां से यूएससीआईआरएफकी भारत में धार्मिक सहिष्णुता को लेकर टिप्पणी आई और पूर्व राष्ट्रपति कुछ और कह रहे हैं। मंत्री ने कहा कि यह देखना अहम है कि इसके पीछे कौन लोग हैं। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों की ओर से अल्पसंख्यकों के प्रति व्यवहार को लेकर 'आधारहीन' आरोप लगाने के लिए 'संगठित अभियान' चलाया जा रहा है क्योंकि वे मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को चुनावी मैदान में नहीं हरा सकते। उल्लेखनीय है कि सीएनएन को बृहस्पतिवार को दिए साक्षात्कार में ओबामा ने कथित तौर पर कहा था कि अगर भारत 'जातीय अल्पसंख्यकों' के अधिकारों की रक्षा नहीं करता तो इस बात की प्रबल आशंका है कि एक समय आएगा जब देश बिखरने लगेगा।ओबामा ने बृहस्पतिवार को 'सीएनएन' को दिए एक साक्षात्कार में कहा था, ''यदि (अमेरिकी) राष्ट्रपति प्रधानमंत्री मोदी से मिलते हैं, तो हिंदू बहुसंख्यक भारत में मुस्लिम अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का उल्लेख करना उचित है। अगर मेरी प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत हुई, जिन्हें मैं अच्छी तरह से जानता हूं, तो मेरे तर्क का एक हिस्सा यह होगा कि यदि आप भारत में जातीय अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा नहीं करते हैं, तो इस बात की प्रबल संभावना है कि भारत किसी बिंदु पर अलग–थलग होने लगेगा।

विपक्षी एकता के बीच आप और कांग्रेस में तकरार, एक म्यान में कैसे रहेंगी दो तलवार

एजेंसी

नयी दिल्ली। विपक्षी दलों की बैठक के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस नदारद रहकर आम आदमी पार्टी के प्रमुख और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने यह साफ संदेश दे दिया है कि जब तक कांग्रेस अध्यादेश को लेकर अपना क्लियर स्टैंड नहीं करेगी, तब तक वह कांग्रेस वाले विपक्षी एकता में शामिल नहीं होंगे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के खिलाफ 2024 चुनाव को लेकर एक मजबूत विपक्षी गठबंधन बनाने की कोशिश हो रही है। 23 जून को पटना में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में विपक्षी दलों की एक बड़ी बैठक हुई। इस बैठक में देश के सभी प्रमुख विपक्षी दलों के नेता शामिल हुए। कुल मिलाकर बिहारी भाषा में इस बैठक के बारे में समझाने की कोशिश करें तो बारात पूरे तरीके से तैयार है। हालांकि दूल्हे का अभी भी इंतजार है, जबकि बारात निकलने से पहले ही फूफा नाराज हो गए हैं। इसका सीधा सा मतलब यही है कि तस्वीरों में विपक्षी दलों के नेता एकजुट तो नजर आए लेकिन प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार कौन होगा, इसको लेकर अब तक कोई क्लियर बात नहीं कही गई है। वहीं, विपक्षी दलों की बैठक के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस नदारद रहकर आम आदमी पार्टी के प्रमुख और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने यह साफ संदेश दे दिया है कि जब तक कांग्रेस अध्यादेश को लेकर अपना क्लियर स्टैंड नहीं करेगी, तब तक वह कांग्रेस वाले विपक्षी एकता में शामिल नहीं होंगे। दिल्ली में सेवाओं को लेकर केंद्र सरकार द्वारा एक अध्यादेश लाया गया है। इसमें फिर से उपराज्यपाल को शक्तियां दे दी गई हैं। आम आदमी पार्टी लगातार इसका विरोध कर रही है। आम आदमी पार्टी ने विपक्ष के लगभग सभी राजनीतिक दलों से इस पर समर्थन भी हासिल कर लिया है। लेकिन कांग्रेस इस मुद्दे पर आम आदमी पार्टी के खिलाफ खड़ी है। आम आदमी पार्टी आरोप लगा रही है कि कांग्रेस इस मुद्दे पर भाजपा के साथ खड़ी है। वहीं, कांग्रेस का कहना है कि वह जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेगी। केजरीवाल ने कांग्रेस नेताओं से मिलने का समय भी मांगा था। लेकिन मुलाकात नहीं हो सकी थी। यही कारण है कि आम आदमी पार्टी कांग्रेस पर जबरदस्त तरीके से हमलावर है। कांग्रेस अध्यादेश को लेकर सोच समझ कर फैसला लेना चाहती है। या दूसरे शब्दों में कहें तो कांग्रेस लास्ट बॉल तक गेम ले जाना चाहती है। हालांकि, केजरीवाल और उनकी पार्टी का साफ तौर पर कहना है कि पहले अध्यादेश को लेकर कांग्रेस

अपना स्टैंड साफ करें। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने साफ–साफ कह दिया है कि यह बिल संसद में जब आएगा, उस समय हम देखेंगे। लेकिन आम आदमी पार्टी इतने पर तैयार नहीं है। आम आदमी पार्टी ने बैठक से पहले ही कह दिया था कि अध्यादेश इसमें बड़ा मुद्दा होना चाहिए। लेकिन कांग्रेस से उसकी बात बनती हुई दिखाई नहीं दे रही है। कांग्रेस का कहना है कि हम लोग लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ मुकाबला करने के लिए एकजुट हुए हैं। अध्यादेश को इसमें एजेंडा नहीं बनाना चाहिए। लेकिन कुछ विपक्षी दलों के अन्य नेताओं ने राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल से इस मुद्दे पर बातचीत करके समाधान निकालने को लेकर अपील की है। केजरीवाल भी इस मुद्दे पर राहुल गांधी से बात करने को तैयार थे। लेकिन कांग्रेस की ओर से ज्यादा महत्व नहीं दिया गया। अगर इतिहास देखें तो आम आदमी पार्टी का निर्माण ही कांग्रेस के खिलाफ हुआ है। कांग्रेस सरकार के खिलाफ अन्ना हजारे के नेतृत्व में केजरीवाल ने आंदोलन किया था। उसके बाद केजरीवाल ने अपनी पार्टी बनाई। सबसे पहले केजरीवाल ने दिल्ली में कांग्रेस का स्पेस को हासिल किया और सत्ता में आम आदमी पार्टी आई।

सम्पादकीय

भारत और अमेरिका के बीच दोस्ती का नया अध्याय

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन के बीच अंतरिक्ष से लेकर सरजमीं और सागर तक हुए समझौतों पर गौर करें तो यही कहा जा सकता है। अमेरिका ने भारत के आग्रहों को जिस तरह हाथों हाथ लिया, उनसे यही लगता है कि बाइडेन की पूरी कोशिश मोदी की यात्रा को हर हाल में सारवान बनाने की थी। मोदी का यह कहना लाजिमी था कि इससे श्वैश्विक रणनीतिक साझेदारी में एक नया अध्याय शुरूय हो गया है। सच में यह एक ऐतिहासिक प्रस्थान बिंदु है।

अमेरिका का उन्नत जेट इंजन के भारत में निर्माण, ड्रोन, सेमीकंडक्टर का भारत में बेस बनाने, इसको बनाने वाली मशीन का निर्माण भारत में करने वाली कंपनी के करोड़ों–अरबों के निवेश पर समझौते को देखें तो तकनीक का ऐसा हस्तांतरण पहले कभी नहीं हुआ था। इसका मतलब है कि अमेरिका भारत को भविष्य की तकनीकों से लैस करना चाहता है। वह न केवल हथियार बेच कर रूस की पहली जगह लेना चाहता है बल्कि बीजिंग को रोकने के लिए नई दिल्ली की ताकत में भी इजाफा करना चाहता है।यह समझौता इस ओर भी संकेत करता है कि अमेरिका अपनी कंपनियों को चीन से वापस बुलाए बिना ही भारत को वस्तुओं की आपूर्ति का वैसा ही एक संगठित बेस बनाना चाहता है। इसका फायदा भारत को रोजगारपरक अर्थव्यवस्था बनने में मिलेगा। देखा जाए तो मोदी के नेतृत्व में भारत की तरफ से अमेरिका के प्रति गर्मजोशी दिखी है। तो क्या भारत अपनी स्वायत्त स्थिति से कोई समझौता कर लिया है? ऐसा होता नहीं लगता।तय पटकथा के अनुरूप चीजें अपने पक्ष में करते हुए भी मोदी ने अमेरिकी चाह के अनुरूप न तो रूस की आलोचना की है और न ही चीन से दो–दो हाथ करने वाला वक्तव्य ही दिया है। इतना ही नहीं, असहमति को कुचलने, अल्पसंख्यकों के प्रति हिंसा रोकने और उनकी सुरक्षा में कोताही के आरोपों पर भी बाइडेन ने ध्यान नहीं दिया है। मोदी के इस जवाब पर संतोष कर वे आगे बढ़ गए हैं कि श्लोकतंत्र भारत के डीएनए में हैय, तो इसकी एक वजह भविष्य के लिए भारत पर लगाया गया दांव है। देखना होगा कि मोदी का भारत विदेश नीति में स्वायत्तता बनाए रखने के रास्ते पर किस हद तक और कैसे बढ़ पाता है। फिलहाल, वह अमेरिका का रणनीतिक साझेदार–दोस्त बन गया है।

वैगनर ग्रुप प्रकरण का सबक यह है कि आतंक को पालना या प्रश्रय देना एक दिन खुद को भारी पड़ता है

नीरज कुमार दुबे

जिस तरह रोस्तोव में येवगेनी प्रिगोझिन के साथ सेल्फी लेने और उनसे हाथ मिलाने के लिए रूसियों में होड़ लगी हुई थी उससे यह भी प्रदर्शित होता है कि पुतिन को आंख दिखाने और पुतिन शासन को चुनौती देने की हिम्मत दिखाने वाले को जनता सराह रही है।

यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस की ओर से मोर्चा संभालने वाली निजी सैन्य कंपनी वैगनर ग्रुप के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन ने बगावत का फैसला वापस लेकर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बड़ी राहत प्रदान की है। हालांकि वैगनर ग्रुप ने अपने आका पुतिन को जिस तरह आंखें दिखाईं उससे दुनिया भर को यह संदेश गया है कि आतंक को पालना और निजी सैन्य समूहों को बढ़ावा देना कितना खतरनाक हो सकता है। भले कोई देश या राष्ट्राध्यक्ष दूसरों के खिलाफ उपयोग करने के लिए आतंक को पाले लेकिन एक दिन वही आतंक या निजी सैन्य समूह उसके लिए भस्मासुर साबित होता है। इसके अलावा, वैगनर ग्रुप की बगावत के बाद जिस तरह बेलारूस के राष्ट्रपति ने बीच बचाव करवा कर रूस को कुछ मांगों को मानने के लिए मनाया, वह यह भी दर्शाता है कि अपने लगभग ढाई दशक के कार्यकाल में पुतिन पहली बार कमजोर पड़े हैं।

इसके अलावा, जिस तरह रोस्तोव में येवगेनी प्रिगोझिन के साथ सेल्फी लेने और उनसे हाथ मिलाने के लिए रूसियों में होड़ लगी हुई थी उससे यह भी प्रदर्शित होता है कि पुतिन को आंख दिखाने और पुतिन शासन को चुनौती देने की हिम्मत दिखाने वाले को जनता सराह रही है। जनता ने जिस तरह वैगनर ग्रुप के मुखिया को सराहा वह यह भी संकेत देता है कि पुतिन के खिलाफ रूसियों के मन में बगावत की आग भभक रही है। दरअसल रूसी जनता पहले दिन से नहीं चाहती थी कि यूक्रेन के खिलाफ युद्ध छेड़ा जाये। पुतिन ने अपनी सनक में आकर जो युद्ध छेड़ा है उसकी बड़ी कीमत रूसी जनता भी चुका रही है और इस युद्ध के लंबे खिंचते चले जाने से वह आजिज भी आ चुकी है। यही नहीं, रूसी सेना का एक बड़ा धड़ा भी बेहद नाराज बताया जा रहा है। माना जा रहा है कि यदि राष्ट्रपति पुतिन ने वैगनर ग्रुप की बगावत को लेकर अपने रक्षा मंत्री या अन्य वरिष्ठ अधिकारियों पर कोई सख्त कार्रवाई की तो बगावत का झंडा बुलंद किया जा सकता है।

जहां तक वैगनर ग्रुप जैसे निजी सैन्य समूहों को बढ़ावा देने की बात है तो इतिहास गवाह है कि आतंक को प्रश्रय देने वाले खुद उसके सबसे बड़े शिकार बने हैं। जरा याद कीजिये कैसे अमेरिका ने ही एक समय ओसामा बिन लादेन को आगे बढ़ाया और एक समय ऐसा आया कि इस आतंक की चोट 9⁄11 के रूप में अमेरिका को ही झेलनी पड़ी थी। एक सशक्त उदाहरण अपने पड़ोस पाकिस्तान में भी है। पाकिस्तान ने तमाम आतंकी संगठनों को भारत में आतंक फैलाने के लिए तैयार किया लेकिन आज तहरीक–ए–तालिबान और उसे जैसे तमाम आतंकी संगठन खुद पाकिस्तान की ईंट से ईंट बजा रहे हैं। पाकिस्तान ने तालिबान को भी प्रश्रय देकर उसे अफगानिस्तान की सत्ता तक पहुँचाने में मदद की थी लेकिन आज वही तालिबान उसके सिर पर चढ़कर बोल रहा है। वैगनर ग्रुप भी एक तरह से पुतिन की ओर से निर्मित किया गया निजी सैन्य समूह है जिसने अब धमकी देकर अपने आका के माथे पर पसीना ला दिया। यही नहीं, चीन अक्सर संयुक्त राष्ट्र में किसी पाकिस्तानी आतंकवादी को वैश्विक आतंकवादी घोषित कराने के प्रयासों में बाधा डालता है तो उसे लगता है कि उसने मुंबई में हुए 26⁄11 के हमलावरों को बचाकर भारत को झटका दिया है। लेकिन चीन को पाकिस्तान में कार्यरत चीनियों पर बढ़ते आतंकी हमलों को देखकर यह समझ आ जाना चाहिए कि आतंकवाद अपने जन्मदाता या प्रश्रयदाता को भी नहीं बख्शता है।

वैगनर ग्रुप ने भले 2014 में पुतिन की ओर से क्रीमिया पर और 2023 में यूक्रेन के बखमुत पर कब्जा किया लेकिन अब वह सिर्फ भाड़े के टट्टू के रूप में काम करने को राजी नहीं है। येवगेनी प्रिगोझिन अब अपने लिये बड़ी भूमिका चाहते हैं। भले फिलहाल वह बेलारूस के मनाने पर मान गये हों लेकिन उन्होंने जो तेवर दिखाये हैं वह आने वाले समय में भी पुतिन के लिए बड़ा सिरदर्द साबित हो सकते हैं। यदि येवगेनी प्रिगोझिन को पश्चिमी या नाटो देशों का साथ मिल गया तो यह पुतिन के लिए बड़ी मुश्किलों का सबब बन सकता है क्योंकि वैगनर ग्रुप रूस की सैन्य क्षमताओं के बारे में बहुत कुछ जानकारी रखता है।इस प्रकरण ने यह भी दर्शाया है कि रूस की सैन्य शक्ति को जितना बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया जाता था, हकीकत वैसी नहीं है। यदि खुद को महाशक्ति कहलाने वाला देश युद्ध के समय लड़ने के लिए लड़ाके निजी कंपनी से आउटसोर्स करे तो सवाल उठेगा ही कि परेड के दौरान जिस सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया जाता था कहीं वह फैन्सी ड्रेस शो तो नहीं था? वैगनर ग्रुप की बगावत से रूस का जो सच दुनिया के सामने आया है और उससे जो परिस्थितियां निर्मित हुई हैं, उसका फायदा उठाने में अमेरिका और नाटो देश कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। इसलिए यह मान कर चलना चाहिए कि वैगनर ग्रुप के टैंक और लड़ाके भले रोस्तोव से बाहर चले गये हों लेकिन असल पिक्चर अभी बाकी है। रूस–यूक्रेन युद्ध ने यह भी दर्शाया है कि रूस की सैन्य रणनीति पूरी तरह कामयाब नहीं रही है। युद्ध में अब तक जानमाल का सर्वाधिक नुकसान भले यूक्रेन को हुआ हो लेकिन प्रतिष्ठा का नुकसान सर्वाधिक रूस को हुआ है। रूसी सेना के हाथ से कई जीते हुए इलाके निकल गये, रूसी सेना की रणनीतियां विभिन्न मोर्चों पर नाकामयाब रहीं, रूसी सेना के बड़े–बड़े कमांडर युद्ध में मारे गये, युद्ध के बीच में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सैन्य नेतृत्व में बदलाव तक करने पड़ गये, जो रूस दुनिया के कई देशों को हथियार देता है उसे ईरान और चीन से हथियार और ड्रोन तक लेने पड़ गये। यकीनन इस सबसे रूस के महाशक्ति होने के दावे पर गंभीर सवाल उठे हैं। इसके अलावा जिस तरह रूस में सैन्य नेतृत्व के शीर्ष पर बैठे लोगों पर तेजी से परिणाम हासिल करने का दबाव बढ़ रहा है, उसके बारे में इस तरह की खबरें हैं कि यह पुतिन के खिलाफ जल्द ही विद्रोह की शक्ल अख्तियार कर सकता है।बहरहाल, गलती पर गलती करते चले जाने के चलते पुतिन एकदम अकेले पड़ गये हैं। रूस ने एक छोटा सैन्य अभियान समझ कर जो युद्ध शुरू किया था वह अब अंतहीन होता दिख रहा है। यह संघर्ष जिस तरह दिन पर दिन लंबा और महंगा होता जा रहा है उससे रूस में पुतिन के खिलाफ जनाक्रोश बढ़ रहा है। 2014 में क्रीमिया पर कब्जा करने के बाद से ही रूस पश्चिमी देशों की ओर से लगाये गये तमाम प्रतिबंधों का सामना कर रहा था। ऐसे में यूक्रेन के खिलाफ युद्ध शुरू होने के बाद रूस के खिलाफ आर्थिक प्रतिबंध और बढ़ गये जिससे रूस की अर्थव्यवस्था भारी दबाव में आ गयी है। इसके साथ ही युद्ध का बढ़ता खर्च और साख बचाने की कोशिशों में जो अनाप–शनाप खर्च पुतिन कर रहे हैं वह रूस को पतन की ओर ही ले जा रहा है। कहा जा सकता है कि बगावत का सीजन रूस में शुरू हो चुका है। वैगनर ग्रुप ने जो साहस दिखाया है उसने जनता को भी ऊर्जा दे दी है।

पर्यावरण को लेकर सजगता

पंकज चतुर्वेदी

यह प्रक्रिया उस इलाके के भूजल के संतुलन को बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाती है। हो सकता है कि प्राचीन परंपरा में शिवलिंग पर जल चढ़ाने का असली मकसद इसी तरह भविष्य के प्रकृति–प्रकोप के हालात में जल को सहेज कर रखना हुआ करता हो। उस काल में मंदिरों में नाली तो होती नहीं थी, यह एक सहज प्रयोग है और बहुत कम व्यय में शुरू किया जा सकता है। यदि दस हजार मंदिर इसे अपनाते हैं, और हर मंदिर में औसतन एक हजार लीटर पानी प्रति दिन शिवलिंग पर आता है, तो गणित लगा लें हर महीने कितने अधिक जल से धरती तर रहेगी।जयपुर के इस शिवमंदिर के बारे में मान्यता है कि यहां शिवजी की प्रतिमा भूमि के भीतर से अवतरित हुई है। चौड़ा रास्ता स्थित इस मंदिर का निर्माण 1784ईस्वीं में किया गया था। मुख्य शिवलिंग काले पत्थर का बना है। इसका व्यास 9 इंच है। इस मंदिर से पाराशर व्यास परिवार का संबंध है, और नित्य पूजा–अर्चना इसी परिवार द्वारा की जाती है।मंदिर का फर्श संगमरमर का है। चौक के पास ही जगमोहन सभा हॉल है। इस हॉल में चार विशाल घंटे हैं, जिनमें प्रत्येक का वजन 125 किग्रा. है। यहां एक पीतल का नंदी बैल है, और गणोशजी की भी प्रतिमा है, जिनकी सूंड बाईं ओर है। शायद इसी मंदिर से प्रेरणा पा कर जयपुर के ही ज्योतिषी और सामाजिक कार्यकर्ता पंडित पुरुषोत्तम गौड़ ने पिछले दो दशकों में राजस्थान के करीब 300 मंदिरों में जल संरक्षण ढांचे का विकास किया है। समाज सेवा और ज्योतिष के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम करने के लिए गौड़ को महाराणा मेवाड़ अवार्ड समेत कई सम्मानों से नवाजा जा चुका है। गौड़ ने बताया कि 2000 में उन्होंने अपना जलाभिषेक अभियान शुरू किया। वे मंदिरों में 30 फुट गहरा गड्ढा बनवाते हैं, और शिवलिग से आने वाले पानी को रेत के फिल्टरों से गुजार कर जमीन में उतारते हैं। इसके अलावा, प्रतिमाओं पर चढ़ाए जाने वाले दूध को जमा करने के लिए पांच फुट के गड्ढे की अलग से जरूरत पड़ी। हिसाब लगाया गया था कि शहर में 300 से ज्यादा मंदिर हैं, जहां श्रावण महीने में रोजाना कम से कम चार करोड़ 50 लाख लीटर जल भगवान शिव और अन्य देवी–देवताओं की प्रतिमाओं पर अर्पित किया जाता है। इससे जल संरक्षण तो हुआ ही मंदिरों के आसपास रहने वाली कीचड़, गंदगी से भी छुटकारा मिला।ठीक ऐसा ही प्रयोग लखनऊ के सदर स्थित द्वादश ज्योतिर्लिग मंदिर में भी किया गया। यहां भगवान शंकर के जलाभिषेक के बाद जल नालियों की बजाय सीधे जमीन के अंदर जाता है। कोई 160 साल पुराने इस मंदिर का 2014 में जीर्णोद्धार किया गया। बारह ज्योतिर्लिंग की स्थापना उनके मूल स्वरूप के अनुसार की गई है। यहां करीब 40 फीट गहरे सोख्ते में सिर्फ अभिषेक का जल जाता है जबकि दूध और पूजन सामग्री का अलग इस्तेमाल किया जाता है। बेलपत्र और फूलों को एकत्रित कर खाद बनाई जाती है। चढ़ाए गए दूध से बनी खीर का वितरण प्रसाद के रूप में होता है।यहीं मनकामेश्वर मंदिर में भी सोख्ते का निर्माण किया गया है। यहां चढ़े फूलों से अगरबत्ती बनाई जाती है। वहीं बेलपत्र और अन्य पूजन सामग्री को खाद बनाने के लिए उपयोग में लाया जाता है। बड़ा शिवाला और छोटा शिवाला में चढने वाले दूध की बनी खीर भक्तों में वितरित की जाती है, और जल को भूमिगत किया जाता है। मध्य प्रदेश के शाजापुर जिला मुख्यालय पर स्थित प्रसिद्ध मां राजराजेश्वरी मंदिर में चढने वाले फूल अब व्यर्थ नहीं जाते। इनसे जैविक खाद बनाई जा रही है। इसके लिए केंचुए लाए गए हैं। इस खाद को पास के गांव वाले श्रद्धा से ले जा रहे हैं, और अपने खेतों में इस आस्था के साथ इस्तेमाल कर रहे हैं कि देवी कृपा से उनकी फसल अच्छी रहेगी। यहां पर खाद बनाने के लिए मंदिर प्रांगण में चारचक्रीय वर्मी कंपोस्ट यूनिट का शेड सहित निर्माण किया गया है। मंदिर में नित आने वाले श्रद्धालुओं द्वारा फूल और मालाएं चढ़ाई जाती हैं।पहले उन फूल और मालाओं को नदी में फेंका जाता था जिससे नदी भी दूषित होती थी। मंदिर प्रांगण में वर्मी कंपोस्ट तैयार करने के लिए 12 फीट लंबाई 12 फीट चौड़ाई और 2.5 फीट गहरे चार टांके बनाए गए हैं, जिनके बीच जालीनुमा दीवार बनाई गई है। इनके ऊपर छाया के लिए टीन शेड भी बनाए गए हैं। सबसे पहले प्रथम टांके में मंदिर में इकत्र्रा होने वाले फूलों आदि का कचरा एकत्रित किया गया जिसे एक माह सडने देने के बाद उसमें केंचुए डाले गए। यह प्रक्रिया तीसरे एवं चौथे टांके के लिए भी अपनाई गई। इस चक्रीय पद्धति में चौथे महीने से बारहवें महीने तक हर महीने लगभग 500 किलो खाद मिलना प्रारंभ हो गई। इस प्रकार 8 महीनों में 4000 किलो जैविक खाद तैयार हो रही है। इस प्रकार रोज एकत्रित होने वाले फूल और मालाओं के कचरे से जैविक खाद बनाने की प्रक्रिया सतत चलती रहेगी। तैयार होने वाली इस खाद में पोषक तत्वों और कार्बनिक पदाथरे के अलावा मिट्टी को उर्वरित करने वाले सूक्ष्म जीवाणु भी बहुतायत में होते हैं। यह खाद डालने से मिट्टी में समस्त प्रकार के पोषक तत्वों की मात्रा और उपलब्धता बढ़ती है, और मिट्टी की प्राकृतिक उर्वरा शक्ति भी बढ़ती है जिससे फसलों एवं पौधों का सर्वागीण विकास होकर उत्पादित फसल स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद होती है।मंदिर में चढ़ाए गए फूलों को खाद में बदलने का काम दिल्ली के मशहूर झंडेवालान मंदिर में भी हो रहा है। देवास, ग्वालियर और रांची के पहाड़ी मंदिरों सहित कई स्थानों पर चढ़ावे के फूल–पत्ती को कंपोस्ट में बदला जा रहा है। जरूरत है कि मंदिरों में पॉलीथीन थैलियों के इस्तेमाल, प्रसाद की बर्बादी पर भी रोक लगे। शिवलिंग पर दूध चढ़ाने के बनिस्बत उसेअलग से एकत्र कर जरूरतमंद बच्चों तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाए।

नये भारत में भी प्रतिभा पलायन का जारी रहना चिंता की बात है

ललित गर्ग

रिपोर्ट के अनुसार, उच्च निवल मूल्य वाली व्यक्तिगत आबादी के 2031 तक 80 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि का अनुमान है, जो इस अवधि के दौरान भारत को दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते धन बाजारों में से एक के रूप में स्थापित करता है।

धनाढ्य परिवारों का भारत से पलायन कर विदेशों में बसने का सिलसिला चिन्ताजनक है। ऐसे क्या कारण हैं कि लोगों को देश की बजाय विदेश की धरती रहने, जीने, व्यापार करने, शिक्षा एवं रोजगार के लिये अधिक सुविधाजनक लगती है, नये बनते भारत के लिये यह चिन्तन–मंथन का कारण बनना चाहिए। हेनले प्राइवेट वेल्थ माइग्रेशन रिपोर्ट 2023 की एक रिपोर्ट के अनुसार, अनुमानित 6,500 हाई–नेट–वर्थ इंडिविजुअल्स (एचएनआई) के 2023 में भारत से बाहर जाने की संभावना है, पिछले वर्ष की तुलना में यह करोड़पतियों के देश छोड़कर जाने की 7500 की संख्या भले ही कुछ सुधरी है, लेकिन नये बनते, सशक्त होते एवं आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर भारत के लिये यह चिन्तन का विषय होना ही चाहिए कि किस तरह भारत की समृद्धि एवं भारत की प्रतिभाएं भारत में ही रहें।रिपोर्ट के अनुसार, उच्च निवल मूल्य वाली व्यक्तिगत आबादी के 2031 तक 80 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि का अनुमान है, जो इस अवधि के दौरान भारत को दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते धन बाजारों में से एक के रूप में स्थापित करता है। यह वृद्धि मुख्य रूप से देश के भीतर संपन्न वित्तीय सेवाओं, स्वास्थ्य सेवा और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों द्वारा संचालित होगी। इसमें समृद्ध व्यक्तियों के भारत लौटने की प्रवृत्ति को भी देखा जा रहा है, और जैसे–जैसे जीवन स्तर में सुधार जारी है, यह अधिक संख्या में धनवान व्यक्तियों के भारत वापस आने का अनुमान लगाता है। लेकिन प्रश्न है कि भारत के करोड़पति आखिर नये बनते भारत एवं उसकी चिकित्सा, शिक्षा, आर्थिक, राजनीतिक, प्रशासनिक उज्ज्वलता के बावजूद क्यों विदेश जा रहे हैं? वैसे तो यह हर किसी का व्यक्तिगत अधिकार और चाहत हो सकती है कि वह कहां बसना और कैसी जीवनशैली चाहता है? लेकिन हाई नेटवर्थ वाले (अति समृद्ध) हमारे देशवासियों के देश छोड़ कर कहीं और बसने की तैयारी की ताजा रिपोर्ट बहुत कुछ कहती है। दुनियाभर में धान और निवेश प्रवासन के रुझान को ट्रैक करने वाली कंपनी की सालाना रिपोर्ट में अति समृद्ध भारतीयों का अपना सब–कुछ समेट कर हमेशा के लिए भारत से जुदा हो जाने का अनुमान अनेक प्रश्न खड़े करता है, सरकार को इन प्रश्नों पर गौर करने की जरूरत है।

संतोष इस बात पर किया जा सकता है कि ऐसा कदम उठाने वाले इन अति समृद्धशालियों की संख्या पिछले साल की तुलना में लगभग एक हजार कम है। लेकिन यह संख्या समूचे विश्व में सर्वाधिक है। भारत के दृष्टिकोण से इस तथ्य का विश्लेषण ज्यादा जरूरी हो जाता है। जानना यह भी जरूरी है कि बचपन से जवानी तक का एक–एक पल देश में गुजारने और यहीं अमीर बनने का सफर तय करने के बाद देश से मोह भंग होने के कारण आखिर क्या हो सकते हैं? उम्मीद यह की जाती है कि देश में रहकर समृद्धि हासिल करने वाले समय आने पर देश को लौटाएंगे भी। सवाल यही है कि देश को लौटाने और फायदा देने का वक्त आता है तब एकाएक विदेश में जाकर बसने की ललक कैसे और क्यों पैदा हो रही है? अपने देश के प्रति जिम्मेदारी निभाने के समय इस तरह की पलायनवादी सोच का उभरना व्यक्तिगत स्वार्थ, सुविधा एवं संकीर्णता को दर्शाता है।

बड़ा सवाल यह भी उठना स्वाभाविक है कि आखिर क्या कमी है हमारे यहां? यह बात सही है कि गांव से कस्बे, कस्बे से शहर और शहरों से महानगरों में जाकर बसने की मानवीय प्रवृत्ति होती है। इसे विकास से भी जोड़ा जा सकता है। लेकिन जब यह दौड़ बहुत ज्यादा होने लगे और लोग अपनी जड़ें ही छोड़ने को आकुल दिखें तो सोचना जरूरी हो जाता है। मुम्बई, दिल्ली, बेंगलूरु जैसे महानगर दुनिया के दूसरे महानगरों को टक्कर देने वाले हैं। फिर भी अगर ये भारतीय विदेशी महानगरों को ही चुन रहे हैं, तो तमाम पहलुओं पर विचार भी करना होगा। यह इसलिए भी जरूरी है कि यह दौड़ भारतीय महानगरों से विदेशी महानगरों की तरफ ही है। विदेश में बसने की यह दौड़ ऐसे समय देखने को मिल रही है जब देश में विकास के नये कीतिमान स्थापित हो रहे हैं, जीवनशैली उन्नत एवं सुविधापूर्ण होती जा रही है, व्यापार एवं व्यवसाय की संभावनाओं को पंख लग रहे हैं। भारत दुनिया में साख एवं धाक जमा रहा है। दुनिया की नजरें भारत पर लगी हैं और यहां अनंत संभावनाओं को देखते हुए विदेशी भारत आ रहे हैं। फिर भारतीय विदेशों की ओर क्यों जा रहे हैं।अपने देश से ही पाने और मौका पड़ने पर देश को लौटाने की परिपाटी बरसों से है। सिर्फ क्वालिटी लाइफ को ही पलायन की वजह नहीं माना जा सकता। उन कारणों की तलाश भी करनी जरूरी है जिसकी वजह से लोग देश को छोड़कर कहीं ओर बसना चाहते हैं। सुरक्षित माहौल, अनुकूल कर ढांचा, सरल प्रशासनिक व्यवस्था, निवेश का माहौल, रोजगार, शिक्षा व चिकित्सा जैसी सुविधाओं की तरफ भी ध्यान देना होगा ताकि पलायन की इस प्रवृत्ति की रोकथाम हो सके। बात केवल करोड़पतियों की ही नहीं है, बल्कि भारत की प्रतिभाओं की भी है। उच्च शिक्षित प्रतिभाओं को भारत में उचित प्रोत्साहन एवं परिवेश न मिलने से वे भी विदेशों की ओर पलायन करती है। विदेशों में काम करने वाले भारतीय उच्च शिक्षित हैं और आमतौर पर उन्हें भारत में उपयुक्त करियर नहीं मिला। सिंगापुर जैसे देशों ने भारतीयों के लिए दरवाजे खोल दिए हैं। इसके अलावा, स्कैंडिनेवियाई देश हैं, जिन्होंने आप्रवासन नियमों में ढील दी है, जिससे भारतीयों के लिए वहां जाना आसान हो गया है। सबसे बढ़कर, भारतीय आईटी पेशेवरों की अमेरिका में अत्यधिक मांग है। वैज्ञानिक और तकनीकी प्रवृत्ति पर आधारित विश्व स्तर पर ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था ने प्रतिभाशाली कर्मियों की बढ़ती मांग को जन्म दिया है।भारत विशेष रूप से यूरोपीय देशों के लिए प्रतिभाशाली और कुशल मानव संसाधनों का प्रमुख आपूर्तिकर्ता बन गया है। कई देश, इंजीनियरों, डॉक्टरों और संचार की भाषा के रूप में अंग्रेजी के साथ अन्य प्रमुख सेवा प्रदाताओं के रूप में भारतीयों की आंतरिक प्रतिभा से अवगत हैं, उनके लिए तेजी से अपने दरवाजे खोल रहे हैं। भारतीयों का एक बड़ा वर्ग विश्व की बड़ी कंपनियों में कार्यरत हैं। सूची में गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, एडोब, आईबीएम, पालो आल्टो नेटवर्क सहित अन्य शामिल हैं।

क्या कारण है कि जन्मभूमि को जननी समझने वाला भारतवासी आज अपनी समृद्धि को भोगने या अपनी प्रतिभा का विदेश की चकाचौंध भरी धरती पर उपयोग करने और उन्हें लाभ पहुंचाने विदेश की ओर भागता है और वहां जाकर सम्पन्न एवं भोगवादी जीवन जीने लगता है? और यह भी नहीं कि बाहर जाने वाला हर व्यक्ति दक्ष होता है। क्या कारण है कि शस्य श्यामला भारत भूमि पर अपनी समृद्धि से विकास के नये क्षितिज उद्घाटित करने या अपनी प्रतिभा से देश को लाभान्वित करने की बजाय विदेश की धरती को लाभ पहुंचाते हैं। कारणों की लम्बी फहरिस्त में मूल है देश में अशांति, आतंक, जटिल कर–कानून व्यवस्था और हिंसा का ताण्डव होना? कारण है– शासन, सत्ता, संग्रह और पद के मद में चूर यह तीसरा राजनीतिक आदमी, जिसने जनतंत्र द्वारा प्राप्त अधिकारों का दुरुपयोग किया और जनतंत्र की रीढ़ को तोड़ दिया है। कृषि प्रधान देश को कुर्सी–प्रधान देश में बदल दिया है। सरकारें हैं–प्रशासन नहीं। कानून है––न्याय नहीं। साधन हैं–अवसर नहीं। भ्रष्टाचार की भीड़ में राष्ट्रीय चरित्र खो गया है। उसे खोजना बहुत कठिन काम है। बड़े त्याग और सहिष्णुता की जरूरत है। पलायनवादी सोच के कगार पर खड़े राष्ट्र को बचाने के लिए राजनीतिज्ञों को अपनी संकीर्ण मनोवृत्ति को त्यागना होगा। तभी समृद्ध हो या प्रतिभाशाली व्यक्ति अपने ही देश में सुख, शांति, संतुलन एवं सह–जीवन का अनुभव कर सकेगा और पलायनवादी सोच से बाहर आ सकेगा।

विपक्षी एकता की राह में आड़े आएंगी क्षेत्रीय दलों की महत्वाकांक्षाएं

सच्चिदानंद सच्चू

बिहार सत्याग्रह की भूमि रही है। जेपी क्रांति का बिगुल इसी बिहार से फूंका गया जिसने पूरे देश के राजनीतिक इतिहास को प्रभावित किया। ममता बनर्जी ने ठीक ही कहा कि बिहार से जो जनआंदोलन शुरू होता है, वह सफल होता है। चंपारण सत्याग्रह एक जन आंदोलन था।पटना में विपक्षी एकता की बैठक संपन्न हो चुकी है। पहली नजर में यह एक सफल बैठक नजर आती है लेकिन इसके कुछ विरोधाभास भी हैं। संभव है कि शिमला में जब विपक्षी एकता की अगली बैठक हो, तो यह विरोधाभास कुछ अधिक नजर आए। क्योंकि पाटलिपुत्र और शिमला के तापमान में सब दिन अंतर रहा है और आज भी यह अंतर बना हुआ है। बैठक के बाद हुई प्रेस कान्फ्रेंस में पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने विपक्षी एकता के लिए अपने निजी महत्वाकांक्षाओं को त्याग करने का आह्वान किया। लेकिन उन्होंने विपक्षी एकता की महत्वपूर्ण धुरी कांग्रेस की भूमिका पर सवाल भी उठाए। उनके हिसाब से पश्चिम बंगाल में कांग्रेस की भूमिका सही नहीं है। ऐसे में निजी महत्वाकांक्षाओं को त्याग करने का उनका आह्वान कितना सार्थक हो पाएगा यह भी शिमला में होने वाली बैठक में साफ हो जाएगा। वैसे ममता ने यह ठीक ही कहा है कि विपक्षी एकता के लिए निजी महत्वाकांक्षाओं को त्यागना होगा। लेकिन इन महत्वाकांक्षओं को त्यागना भी विपक्षी पार्टियों के लिए इतना आसान नहीं होगा। क्योंकि पटना में प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान ममता जब ये बातें कह रही थीं, तब उसी प्रेस कान्फ्रेंस से विपक्षी एकता की महत्वपूर्ण कड़ी अरविंद केजरीवाल, भगवंत सिंह मान और एमके स्टालिन गायब थे। इससे तो यही साबित होता है कि निजी महत्वाकांक्षाओं का त्याग विपक्षी पार्टियों के नेता इतनी आसानी से कर पाएंगे।

विपक्षी एकता की बैठक में पीडीपी ने कश्मीर से धारा 370 खत्म करने के मामले में ‘आप’ और अरविंद केजरीवाल से अपना स्टैंड क्लीयर करने को कहा। जबकि ममता ने पश्चिम बंगाल में कांग्रेस की भूमिका पर सवाल उठाए। वहीं अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली अध्यादेश के मुद्दे पर कांग्रेस से अपना रुख साफ करने को कहा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने क्षेत्रीय नेताओं को राज्यों में नेतृत्व देने की मांग की। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि अगर इन मुद्दों पर बात नहीं बनी तो सभी दल एकजुट होकर 2024 में चुनाव लड़ेंगे कैसे? विपक्षी एकता की बैठक से पहले ‘हम’ के जीतन राम मांझी एनडीए का दामन थाम चुके हैं। हालांकि जीतन राम मांझी के एनडीए में शामिल होने से न तो एनडीए मजबूत हो रहा है और न ही विपक्षियों के वोट बैंक पर इसका कोई असर पड़ता हुआ मुझे नजर आ रहा है। हाँ, लेकिन बिहार के दलित–महादलित समुदाय में एनडीए के प्रति माहौल बनाने में मांझी जरूर कारगर साबित हो सकते हैं। दलितों और महादलितों को लुभाने के लिए भाजपा के मयान में कई तलवारें हैं। जिनमें मांझी और लोजपा के दोनों गुट प्रमुख हैं। भाजपा अगर बिहार में भितरघात की चपेट में नहीं आती है तो दलितों–महादलितों के वोट को अपनी ओर मोड़ने में जरूर कामयाब होगी। क्योंकि सम्राट चौधरी के भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद बाहरी और भीतरी के मुद्दे पर पार्टी कई गुटों में बंटी हुई नजर आ रही है और एक गुट दूसरे गुट को पटखनी देने की हर संभव कोशिशें कर रहा है। बिहार में पिछली बार की तरह शानदार जीत के लिए भाजपा को इस विरोधाभास को दूर करना होगा।बिहार सत्याग्रह की भूमि रही है। जेपी क्रांति का बिगुल इसी बिहार से फूंका गया जिसने पूरे देश के राजनीतिक इतिहास को प्रभावित किया। ममता बनर्जी ने ठीक ही कहा कि बिहार से जो जनआंदोलन शुरू होता है, वह सफल होता है। चंपारण सत्याग्रह एक जन आंदोलन था। जेपी क्रांति जन आंदोलन था। लेकिन ममता दीदी को यह समझना होगा विपक्षी दलों की यह बैठक जन आंदोलन के लिए नहीं, बल्कि सत्ता प्राप्ति के लिए है। चंपारण सत्याग्रह हो या जेपी क्रांति, यह सिर्फ सत्ता प्राप्ति के लिए किया गया जन आंदोलन नहीं था। इसने सामाजिक परिवर्तन लाने का भी काम किया। विपक्षी एकता की बैठक में शामिल होने पटना आए तमाम दिग्गज नेताओं को चंपारण सत्याग्रह और जेपी क्रांति की याद आई। बिहार हमेशा प्रतिरोध की आवाज का एक केंद्र रहा है। सत्ता भले ही बिहार को भूल जाए लेकिन सत्ता विरोधी कभी बिहार को नहीं भूलते। लेकिन विडंबना यही है कि सत्ता विरोधी भी जब सत्ता में शामिल होते हैं तो बिहार को भूल जाते हैं। विपक्षी एकता की बैठक के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने बड़ा कड़वा बयान दिया। उन्होंने कहा कि यह ठग ऑफ गठबंधन है। यह गठबंधन पूरे देश को मूर्ख बनाने का प्रयास कर रहा है। सभी भ्रष्टाचारी हैं। नीतीश कुमार को अपने भ्रष्टाचार का मॉडल दिखाना चाहिए। इन्हें पता नहीं कि पीएम का चेहरा कौन है। सभी के मन में लड्डू फूट रहे हैं। सभी पीएम बनने का सपना देख रहे हैं। एक–दूसरे को टोपी पहना रहे हैं। सम्राट चौधरी का बयान तभी झूठा साबित हो सकता है जब विपक्षी दल अपनी तमाम महत्वाकांक्षाओं का त्याग कर चुनाव लड़े। ममता दीदी को यह बात भली–भांति पता है कि छोटे–छोटे दलों की बड़ी–बड़ी महत्वाकांक्षाएं विपक्षी एकता के आड़े आ सकती हैं। कुछ महत्वाकांक्षाएं उनकी अपनी भी हैं जिसका त्याग करना बहुत मुश्किल काम है।प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि हम पुरानी घटनाओं को याद किए बिना आए हैं। मतलब उनके मन में अब कोई शिकायत नहीं है। असल में बिहार में कांग्रेस की ऐसी स्थिति है भी नहीं कि वह किसी के प्रति मन में कोई शिकायत रखे। क्योंकि बिहार में कांग्रेस को अगर कोई सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है तो वह भाजपा नहीं, बल्कि राजद है। और आज कांग्रेस की मजबूरी है कि वह इसी राजद के सहारे बिहार में अपनी नैया पार उतारना चाहती है। ठीक वैसे ही केंद्र में ये दल कांग्रेस के बिना अस्तित्व विहीन हैं। हालांकि बैठक से पहले ही भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लालू को यह याद दिलाने की कोशिश की कि कभी राहुल की दादी इंदिरा गांधी ने ही उन्हें 24 महीनों के लिए जेल भिजवाया था। बैठक में लालू, एमके स्टालिन, अखिलेश यादव और हेमंत सोरेन जैसे दिग्गज नेताओं ने क्षेत्रीय दलों के हिसाब से सीटें तय करने को कहा है। सभी पार्टियों के लिए कॉमन मिनिमम प्रोग्राम बनाने पर भी चर्चा हुई। यह काम भी इतना आसान नहीं है। इसके लिए भी कांग्रेस व अन्य विपक्षी पार्टियों को नाको चने चबाने होंगे। पश्चिम बंगाल सहित अन्य प्रांतों में क्षेत्रीय दलों के साथ जो कांग्रेस का अंतरविरोध है, उसे दूर करना होगा।जदयू सहित अन्य छोटे–छोटे दल जो आज नीतीश कुमार को महागठबंधन का संयोजक बनाने पर सहमत हैं, उनके मन में आज भी इस बात के लड्डू फूट रहे हैं कि नीतीश पीएम मेटेरियल हैं। दूसरी ओर कांग्रेस है जो राहुल गांधी के अलावा शायद ही किसी अन्य को पीएम बनाने पर सहमत हो। असल में ममता दीदी जिस महत्वाकांक्षा की बात कर रही हैं, उस महत्वाकांक्षा के शिकार महागठबंधन में शामिल तमाम नेता हैं। चुनाव आने तक लाखा प्रयासों के बावजूद इन महत्वाकांक्षाओं की आपसी टकराहट भी नजर आएगी।

वीडीओ के परीक्षा में नकल कराने की योजना बनाते हुए 13 अभियक्तों गिरफ्तार

– पकड़े गए अभियुक्त आजमगढ़ गाजीपुर जौनपुर व प्रयागराज के रहने वाले पुलिस को मिली बड़ी सफलता

– वी डीओ परीक्षा में संलिप्त सॉल्वर गिरोह का किया पर्दाफाश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सर्विलांस, स्वाट व लाइनबाजार पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा वी0डी0ओ0 के परीक्षा में नकल कराने की योजना बनाते हुए 13 अभियक्तों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा द्वारा अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर व श्रीमान क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण एवं दिशा निर्देशन में, सर्विलांस, स्वाट व थाना लाइनबजार पुलिस द्वारा मंगलवार को जज कालोनी थाना लाइनबाजार से 13 अभियुक्तों को वी0डी0ओ0 की परीक्षा नकल कराने की योजना बनाते हुए 27 मोबाईल फोन, 8 ब्लू टुथ डिवाईस, 15 माइक्रो इयर बड, 14 सीम, 114 बैंक चेक, 64 मूल अंक पत्र व प्रमाण पत्र भिन्न छात्रो के, 2 लैपटाप व 82,860 रु0 व एक स्कार्पियो, एक वैगन आर कार व 5 मोटरसाईकिलों के साथ गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा दिया। गिरफ्तार अभियुक्तों में

1.कमलेश यादव पुत्र कुहेश यादव निवासी ग्राम सरायभादी थाना तरवा जनपद आजमगढ उम्र 38 वर्ष

2. राम मिलन यादव पुत्र कमला प्रसाद यादव निवासी जलालपुर थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर उम्र 24 वर्ष 3. शुभम यादव पुत्र अरविन्द यादव निवासी सराय भादी थाना तरवा आजमगढ उम्र 19 वर्ष

4. किशन जायसवाल पुत्र तुलसी दास जायसवाल निवासी आशानन्दपुर थाना रामपुर जनपद जौनपुर उम्र 25 वर्ष 5. शैलेन्द्र यादव पुत्र शम्भु यादव निवासी गोवरचोत्ता थाना दुल्लहपुर जनपद गाजीपुर उम्र 30 वर्ष

6. स्वामीनाथ सिंह यादव पुत्र राम जनम यादव निवासी मटेहू थाना मरदह जनपद गाजीपुर उम्र 27 वर्ष

7. संजय यादव पुत्र पारस यादव निवासी ओडराई थाना दुल्लहपुर जनपद गाजीपुर उम्र 31 वर्ष

8. उत्पल सिंह पुत्र अरिवन्द सिंह निवासी विशुनपुरा थाना अहरौला जनपद आजमगढ उम्र 35 वर्ष

9. गोविन्द गुप्ता पुत्र प्यारेलाल गुप्ता निवासी रामपुर थाना रामपुर जनपद जौनपुर उम्र 27 वर्ष

10. निहाला सिंह पुत्र चन्द्रमौज सिंह निवासी सकरा थाना रामपुर जनपद जौनपुर उम्र 36 वर्ष

11. अभिषेक उपाध्याय पुत्र राजमनी उपाध्याय निवासी ग्राम सद्दोपुर थाना बक्सा जनपद जौनपुर उम्र 19 वर्ष 12.हिमांशू मौर्या पुत्र राकेश कुमार मौर्या निवासी दरियापुर थाना फूलपुर प्रयागराज उम्र 23 वर्ष

13–अभितेष मौर्या पुत्र प्रदीप कुमार मौर्या निवासी लिलहट थाना फूलपुर प्रयागराज उम्र 28 वर्ष शामिल है।

मन, बुद्धि, चित्त में सामंजस्य से दूर होगा नशाः जिलाधिकारी

सौभाग्य से मिला है जीवन, नशे से दूर रखिएः प्रो. निर्मला एस. मौर्य
नशा पीड़ित परिवार को करें शिक्षा के प्रति जागरूक प्रो. शिवकुमार
विद्यार्थियों को नशा से दूर रखने के लिए किया गया यज्ञ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में नशा मुक्ति जन जागरूकता पखवाड़े का समापन समारोह मंगलवार को मनाया गया। इस दौरान नशा मुक्ति से संबंधित रंगोली, पोस्टर प्रतियोगिता, नाटक, नशा न करने की शपथ और नशा मुक्ति के लिए यज्ञ किया गया। यह पखवारा 12 से 26 जून तक चला। इसमें काफी संख्या में शिक्षकों और विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने कहा कि आज शहर से गांव तक नशा का प्रचलन बढ़ रहा है, इसको रोकने के लिए हमें अपने मन, बुद्धि, चित्त में सामंजस्य स्थापित करना होगा। इससे व्यवहारिक आहार–विहार और विचार द्वारा नशे की लत को रोक सकते हैं। उन्होंने कहा कि नशे से दूर रहने के लिए अच्छे संस्कार की जरूरत होती है। यह संस्कार एक दिन में नहीं मिलता। यह सतत् प्रयास से आता है, जिस परिवार को यह संस्कार मिल जाता है वह कभी खत्म नहीं होता। यह पीढ़ी दर पीढ़ी चलता है। इसके लिए उन्होंने अयोध्या प्रकरण में जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य को उद्धृत करते हुए विस्तार से समझाया। अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि अपने जीवन को नशीली दवाओं से मुक्त रखते हुए, मुस्कुराने का नशा अपनाइए और दूसरों के मुस्कुराने की वजह बनिए। कहा कि नशा करना है तो अच्छे कार्य करने का नशा करिए। उन्होंने कहा कि मानव जीवन बहुत सौभाग्य से मिलता है, इसे नशा करके बर्वाद मत करिए। मादक पदार्थों का सेवन करके आज तक कोई बड़ा नहीं बन सका है। उन्होंने बच्चों के नशामुक्ति हस्ताक्षर अभियान को सराहा। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्राचार्य, उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय जौनपुर डॉ. शिव कुमार ने कहा कि नशा से पीड़ित परिवार के लोगों से भेदभाव रोका जाए और उन्हें व्यवहारिक सामाजिक सम्मान के साथ शिक्षा की ओर जागरूक करके नशा उन्मूलन कराया जाए। मुख्य अतिथियों का स्वागत एवं प्रबंधन तंत्र के छात्र उद्देश्य सिंह द्वारा किया गया। नशामुक्ति यज्ञ शशिकांत त्रिपाठी और चंद्रमोहन पांडेय कराया गया। कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस मौर्य द्वारा शपथ उपस्थित अतिथियों एवं छात्र– छात्राओं को दिलाया गया एवं कुलपति ने कहा कि नशा से संबंधित लोग अग्निकुंड में अपने नशे का त्याग कर दें। कुलपति एवं मुख्य अतिथि द्वारा भी आर्यभट्ट मंच पर नशा मुक्ति अभियान के तहत हस्ताक्षर किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में विजेता रही दिव्या सोनकर, सृष्टि पांडेय, वात्सल्य, अंजली मिश्रा एवं सृष्टि विश्वकर्मा को अतिथियों के द्वारा प्रमाण पत्र द्वारा सम्मानित किया गया। रंगोली प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन उद्देश्य सिंह और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. अजय द्विवेदी ने किया। समन्वयक डॉ. मनोज पाण्डेय ने दो सप्ताह से चल रहे नशा मुक्ति पखवाड़ा में होने वाले विभिन्न कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। इस दौरान कार्यक्रम में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ जाफरी, वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह, सहायक कुलसचिव अजीत सिंह, बबिता सिंह, दीपक सिंह, डॉ. मनोज मिश्र, डॉ. अवधेश कुमार मौर्य, कृष्णा यादव, डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, विद्यार्थी हिदायत, सुमित, आदित्य, पवन, सत्यम सोनकर इत्यादि उपस्थित रहे।

नशा मुक्त समाज आज की जरूरतः प्रो. शिव कुमार

–नशा मुक्ति के लिए चला हस्ताक्षर अभियान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, ।वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में नशा मुक्ति अभियान के तहत अंतराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के अवसर पर उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में श्नशा के विरुद्ध एक जंगश विषय पर मिशन ड्रग फ्री कैंपस एंड सोसाइटी कार्यक्रम के अंतर्गत वृहद हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इस आयोजन के तहत नशा मुक्त समाज व अंतराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के रूप में 26 जून के अवसर पर छात्र, शिक्षकों व चिकित्सको द्वारा शैक्षणिक संस्थाओं, समाज एवं राष्ट्र को नशामुक्त बनाने व नशीली दवाइयों के दुरुपयोग से रोकथाम हेतु जन जागरुकता कार्यक्रम एवं वृहद हस्ताक्षर और संकल्प आभियान चलाया गया। कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. शिव कुमार ने कहा कि नशा से रोकथाम व नशा मुक्त समाज आज के परिदृश्य में बहुत जरूरी है। युवाओं को इस अभियान में आगे आना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को तनाव मुक्त जीवन जीने हेतु सूत्र वाक्य भी दिया और कहा कि तनाव ही सारी समस्याओं की जड़ है और इस तनाव से मुक्त होने में शिक्षकों, अभिभावकों एवं मित्रों का बड़ा ही अहम योगदान है ।इस अवसर पर महाविद्यालय की परीक्षा नियंत्रक डॉ. शशि पाण्डेय, डॉ विनोद वर्मा, डॉ बिट्टू व अभियान के समन्वयक डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय ने इस विषय पर अपने विचारों एवं अनुभवों को छात्र व छात्राओं के साथ साझा किया ।अंत में इस अभियान के समन्वयक द्वारा छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं चिकित्सकों को नशा मुक्त समाज में योगदान देने एवं जीवन में नशा से दूर रहने हेतु शपथ दिलाया। कार्यक्रम में महाविद्यालय स्थित संगोष्ठी भवन में चिकित्सा महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं, स्टाफ व शिक्षकोंध्डॉक्टर द्वारा नशा मुक्ति आभियान में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया ।कार्यक्रम में उत्सव सिंह,आदित्य जयसवाल, सत्यम, हिदायत फातिमा, श्रेया, पवन,समरजीत, अरुण, संचिता,निधि व अन्य विद्यार्थी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर सरकारी कर्मचारियों ने भरी हुँकार

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

लखनऊ। पुरानी पेंषन योजना बहाली संयुक्त मंच (जे.एफ.आर.ओ.पी.एस) की नई दिल्ली में दिनांक 21 जनवरी, 2023 को सम्पन्न राश्ट्रीय अधिवेषन में सर्वसम्मति से निधारित किये गये कार्यक्रम के अनुपालन में उत्तर प्रदेष राज्य के सभी केन्द्र सरकार के कर्मचारियों, जिनमें रेल, पोस्टल, आयकर, आकाषवाणी, दूरदर्षन और राज्य स्तर के कर्मचारी, षिक्षक एवं अन्य स्थानीय निकायों के कर्मचारी आदि ने दिनांक 27 जून, 2023 को चारबाग में पुरानी पेंशन योजना बहाली की मांग को लेकर एक विषाल रैली का आयोजन किया है।

प्रान्तीय हुंकार रैली की पूर्व संध्या पर आयोजित एक संयुक्त प्रेंस कान्फ्रेंस को सम्बोधित करते हुए पुरानी पेंशन योजना बहाली संयुक्त मंच के राश्ट्रीय संयोजक एवं ए0आई0आर0एफ0 के महामंत्री कामरेड षिव गोपाल मिश्र ने कहा कि दिनांक 01 जनवरी, 2004 के बाद सरकारी सेवा में आये कर्मचारियों के लिए एन0पी0एस0 एक छलावा साबित हुई है और जो भी कर्मचारी सेवानिवृत्त हो रहे हैं, उनके साथ भारी अन्याय किया जा रहा है। कामरेड मिश्र ने कहा कि सरकारी कर्मचारी 30 से 40 वर्श की सेवा देकर स्वयं व आश्रितों को पेंषन के सहारे सामाजिक सुरक्षा का अधिकारी बनता था, जिसे माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने भी उचित ठहराया, किन्तु वर्तमान सरकारें आर्थिक बोझ के नाम पर इससे बचना चाहती हैं। उन्होंनें कहा कि एन0पी0एस0 लागू किये जाते समय इसे अत्यन्त आकर्षक व लाभदायी बताया गया था किन्तु सरकार के इस सम्बन्ध में सभी दावे खोखले साबित हुए। उन्होंनें कहा कि श्रम संघों के विगत् वर्षों में विभिन्न आन्दोलनों के परिणामस्वरूप विगत् 23 मार्च, 2023 को माननीय वित्त मंत्री ने एन0पी0एस0 की समीक्षा हेतु एक समिति गठित किये जाने की घोशणा भी किया और इसकी आरम्भिक बैठक भी दिनांक 09 जून, 2020 को हो चुकी है, जिसमें उन्होंनें एन0पी0एस0 को किसी भी स्थिति में स्वीकार करने से इन्कार कर गारन्टीड पेंषन की मांग की। कामरेड मिश्र ने कहा कि गारन्टीड पेंषन की बहाली हेतु यह आन्दोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक केन्द्र सरकार पुरानी पेंषन बहाली की घोशणा नहीं कर देती। उन्होंनें बताया कि कल की प्रान्तीय हुंकार रैली में बड़ी संख्या में केन्द्र व राज्य सरकार के कर्मचारी तथा षिक्षक हिस्सा लेंगें।

इस अवसर पर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिशद के अध्यक्ष कामरेड हरि किषोर तिवारी ने कहा कि पुरानी पेंषन बहाली हेतु राज्य कर्मचारी संयुक्त परिशद व इससे सम्बद्ध यूनियनेंध एसोसिएषन विगत् 16 मई से उत्तर प्रदेष के 35 जनपदों में पेंषन–रथ यात्रा निकाल चुकीं हैं, जिसको केन्द्रीय कर्मचारियों, राज्य कर्मचारियों, षिक्षकों व सामाजिक संगठनों का प्रबल समर्थन प्राप्त हुआ। उन्होंनें कहा कि कल की हुंकार रैली उपरान्त संसद घेराव का कार्यक्रम भी तय किया जायेगा। अतः राज्य सरकार व केन्द्र सरकार को इस सम्बन्ध में गम्भीरता से विचार कर गारन्टीड पेंषन की घोशणा करना चाहिए।

प्रेस कान्फ्रेंस को कन्फेडरेषन के केन्द्रीय संयोजक, कामरेड एस0बी0सिंह यादव, मोर्चा के प्रान्तीय संयोजक कामरेड आर0के0पाण्डेय, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिशद के महामंत्री कामरेड षिवबरन यादव, आयकर कर्मचारी महासंघ के महामंत्री कामरेड बृजेष यादव तथा उत्तर प्रदेष प्राथमिक षिक्षक संघ के अध्यक्ष कामरेड सुषील पाण्डेय, प्रान्तीय अध्यक्ष उत्तर प्रदेष जूनियर हाईस्कूल, कामरेड उमेष त्यागी तथा प्राथमिक षिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ नरेष व ए0आई0आर0एफ0 के जोनल सचिव कामरेड एस0यू0षाह, एन0आर0एम0यू0 के मण्डल अध्यक्ष श्री विभूति मिश्रा, मंडल मंत्री अनूप बाजपेई, षैलेन्द्र सिंह, उपेन्द्र सिंह व एन0ई0आर0एम0यू0 के मंडल मंत्री श्री आर0एन0गर्ग ने भी प्रेस कान्फ्रेंस को सम्बोधित किया।

यूपी को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी वाला राज्य बनाने में

बैंकिंग सेवाओं के माध्यम से सहयोग कर रहा है बैंक आफ महाराष्ट्र

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी का विजन उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी वाला राज्य बनाना है और बैंक ऑफ महाराष्ट्र प्रदेश वासियों को बैंकिंग क्षेत्र में बेहतरीन सेवाएं देकर इस विजन को साकार करने की दिशा में कार्य कर रहा है। बैंक द्वारा आज कानपुर देहात जिले में पहली और कानपुर नगर में 5वीं नई शाखा का शुभारंभ किया गया है। होटल मेरियट, लखनऊ में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए बैंक ऑफ महाराष्ट्र के कार्यपालक निदेशक श्री आशीष पाण्डेय ने यह उद्घगार व्यक्त किए। श्री आशीष पाण्डेय ने यह भी बताया कि उत्तर प्रदेश हमारे देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। हम जनसामान्य को सर्वोत्तम सेवाएं प्रदान करते हुए यहां अपनी व्यावसायिक संभावनाओं में लगातार संवर्धन कर रहे हैं। आज कानपुर नगर में कल्याणपुर एवं कानपुर देहात में नई शाखा की शुरुआत के बाद उत्तर प्रदेश राज्य में बैंक ऑफ महाराष्ट्र की अब 122 शाखाएं हो गई हैं, जिनका व्यवसाय रु.11,200 करोड़ से अधिक है। बैंक पूरे राज्य में शाखा नेटवर्क को मजबूत करने के लिए और अधिक शाखाएं खोलने की योजना बना रहा है। श्री आशीष पाण्डेय ने कहा कि बैंक राज्य के विकास का एक अभिन्न स्तंभ बनने के प्रमुख अवसरों पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम राज्य के नीति निर्माताओं के आभारी हैं जो हमारे साथ सक्रिय रूप से जुड़ने और हमें अवसर देने के लिए तैयार हैं। हमें बुनियादी ढांचे के विकास, आवास और शहरी विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों में राज्य के लोगों की सेवा करना, एमएसएमई के लिए ट्रेड्स प्लेटफॉर्म का लाभ उठाना, राज्य सरकार के साथ भागीदारी करने वाले छोटे उद्योगों तक पहुँचना और उनके साथ जुड़ना होगा। उन्होंने कहा कि हम सरकार को सेवा प्रदान करने के लिए विभिन्न डिजिटलीकरण उपायों को अपना रहे हैं तथा हमने केंद्र और राज्य सरकार सहित अपने संस्थागत ग्राहकों की आवश्यकता के अनुरूप अपनी सेवाएं तैयार की हैं। देश भर में स्थित हमारे विभाग प्रौद्योगिकी के आधार पर संचालित हैं और ग्राहकों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए "समर्पित सेल के रूप में कार्य कर रहे हैं ।श्री आशीष पाण्डेय ने कहा कि बैंक विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से राज्य के किसानों, स्व–सहायता समूहों, महिला उद्यमियों और गरीबों, वंचितों और सेवारहितों की आवश्यकताओं को पूरा करते हुए राज्य के सामाजिक उत्थान और अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए समान रूप से प्रतिबद्ध है। हाल ही में एसएलबीसी उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तीय वर्ष 22–23 के दौरान बैंक ऑफ महाराष्ट्र को स्व–सहायता समूहों को ऋण (एसएचजी क्रेडिट लिंकेज) प्रदान करने में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु पुरस्कृत किया गया है।

'वित्तीय वर्ष 2022–23 में रु.4 लाख करोड़ का आंकड़ा पार'

श्री आशीष पाण्डेय ने बताया कि बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने वित्तीय वर्ष 2022–23 में रु.4 लाख करोड़ के व्यवसाय आंकड़े को पार कर लिया है, जो वास्तव में बैंक की यात्रा में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। वित्तीय वर्ष 22–23 में बैंक के शाखा नेटवर्क में देश भर में 2200 से भी अधिक शाखाएं हो गई हैं। बैंक लगातार वित्तीय वर्ष 20–21, वित्तीय वर्ष 21–22 और वित्तीय वर्ष 22–23 में पीएसबी के बीच व्यापार वृद्धि में शीर्ष कार्यनिष्पादन करने वाले बैंक के रूप में उभरा है। आस्ति गुणवत्ता के मामले में बैंक की सकल अनर्जक आस्तियां (ळछच।) और निवल अनर्जक आस्तियां (छछच।) क्रमशः 2.47ः और 0.25ः पर रही हैं, जो पूरे बैंकिंग उद्योग में सबसे कम है। वित्तीय वर्ष 22–23 में बैंक का ऋण–जमा (ब्क) अनुपात 75ः से अधिक रहा है। विभिन्न तकनीक संचालित मॉनिटरिंग टूल्स से बैंक को आस्तियों की गहन निगरानी में मदद मिली है। सभी पीएसबी के बीच बैंक ऑफ महाराष्ट्र के पास बेहतरीन कासा आधार है, जो बैंक की प्रीमियम ग्राहक सेवा को दर्शाता है।

'कस्टमर आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन'

श्री आशीष पाण्डेय ने बताया कि बैंक ऑफ महाराष्ट्र की ओर से आज होटल मेरियट में शाम 6 बजे से कस्टमर आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कस्टमर आउटरीच कार्यक्रम का उद्देश्य पूर्णतः ग्राहक–अनुकूल कमर्शियल व रिटेल प्रोडक्ट के साथ अपने ग्राहकों को आत्मनिर्भर बनाना और सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता निर्मित करते हुए अधिक से अधिक ग्राहकों को इससे जोड़ना है। हमें इन कस्टमर कनेक्ट व आउटरीच कार्यक्रमों से दो कारणों से अत्यधिक उत्साहजनक प्रतिसाद प्राप्त हो रहा है – पहला ग्राहक फीडबैक के रूप में, जो बैंक को नई योजनाएंध उत्पाद तैयार करने और आगे सुधार करने में मदद कर रहा है तथा दूसरा बैंक को मजबूत ग्राहक संरक्षण प्राप्त हो रहा है, जिसके परिणामस्वरूप पर्याप्त व्यावसायिक सहयोग प्राप्त हुआ है। उन्होंने डिजिटल बैंकिंग चौनलों के बढ़ते महत्व और ग्राहकों की उभरती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बैंक द्वारा किए गए त्वरित और सक्रिय उपायों पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में लखनऊ अंचल के अंचल प्रबंधक श्री आदित्य प्रकाश, उप अंचल प्रबंधक प्रवीण कुमार सिंह सहित अन्य प्राधिकारी उपस्थित रहे।

एज इंडिया ने मुख्यमंत्री आवास के निकट सिविल हॉस्पिटल एरिया सहित शहर के कई स्थानों पर बरसात से जलभराव न होने देने के लिए तैयारी शुरू की

शहर के 72 हॉटस्पॉट को चिन्हित कर सीवर सफाई शुरू की

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। राजधानी में सीवर मेंटेनेंस की कार्यदाई संस्था सुएज इंडिया ने मुख्यमंत्री आवास से लेकर सिविल अस्पताल के आस पास बरसात से होने वाले जलभराव की समस्या के समाधान के लिए पहले से ही महत्वपूर्ण कदम उठा लिए है। इस इलाके में स्थानीय आबादी की अनुमानित संख्या लगभग पांच हजार से ज्यादा हैद्य साथ ही इस सड़क से रोजाना लगभग 10 हजार लोगों का ट्रैफिक आवागमन करता है और इसके अलावा बड़ी संख्या में सिविल अस्पताल में मरीजो एवं तीमारदारो का भी आवागमन होता है। इस कार्य का उद्देश्य आम जनता को बरसात के जलभराव से होने वाली परेशानियों से बचाना है। मानसून को देखते हुए सुएज इंडिया ने शहर के 72 स्थानों को चिन्हित करके जहां जलभराव की दिक्कध्त ज्यादा होती थी वहाँ सीवर सफाई करवा दी है।

इसके अतिरिक्त, सुएज इंडिया ने जल निकासी प्रणाली को मजबूती प्रदान करने और उसकी क्षमता को बढ़ाने के लिए सिविल अस्पताल क्षेत्र में दो नए सीवर चौंबर्स का निर्माण शुरू करवा दिया है। ये सीवर चौंबर्स पानी के नियमित प्रवाह को बनाए रखेंगे, जिससे भारी बारिश के दौरान जलभराव का खतरा शून्य हो जाएगा।

मानसून सीजन को देखते हुए सुएज इंडिया ने प्रभावित क्षेत्रों में जलभराव को कम करने के लिए व्यापक उपाय शुरू किए हैं। कंपनी ने सीवर लाइनों को साफ करने और उसके स्रोत पर ही समस्या को खत्म करने के लिए सुपर सकर और जेटिंग मशीन सहित अत्याधुनिक सफाई उपकरण तैनात किए हैं। इन शक्तिशाली मशीनों का उपयोग सीवर लाइनों में पानी के सुचारू प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा है। इसके अलावा सुएज इंडिया ने उन इलाकों में भी जलभराव की रोकथाम के लिए मशीनों से सफाई करवा दी है, जहां तेज बारिश के चलते जलभराव होता था। इन इलाकों में एम डी स्कूल, बैक साइड फैजुल्लागंज– 2, मुर्तजा हुसैन रोड, याहियागंज जोन–2, 60 फिट रोड, जानकीपुरम, कामाख्या स्कूल, शंकरपुरवा , कंघी वाली गली, राजा बाजार और पटेल नगर, इस्माइलगंज–1 प्रमुख है। सुएज इंडिया के प्रोजेक्ट डायरेक्टर, राजेश मठपाल ने इस कार्य पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, पिछले वर्ष

इस क्षेत्र में काफी बरसात के द्वारा जलभराव हुआ था। हम मुख्यमंत्री आवास एवं सिविल अस्पताल सहित अन्य इलाकों में जलभराव की समस्या को हल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमने अत्याधुनिक मशीनों को तैनात करके और सिविल अस्पताल के पास दो अतिरिक्त चैंबर्स का निर्माण शुरू करवा दिया हैद्य हमारा लक्ष्य स्थानीय आबादी के साथ–साथ इस इलाके में अस्पताल आने वालों को होने वाली असुविधा को दूर करना है।

बकरीद की तैयारियां तेज, सजे बाजार

संवाददाता

लखनऊ। ईद–उल–अजहा (बकरीद) के पर्व को लेकर मुस्लिम परिवारों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शहर के मुस्लिम बहुल इलाकों में रौनक बढ़ गई है। त्योहार के मद्देनजर खास बाजार भी सजे हैं, जहां सेंवइयों की दुकानें आकर्षण का केंद्र हैं। जिले के प्रमुख कस्बों में भी सजी दुकानों में शाम को भीड़ नजर आने लगी है। बकरीद पर कुर्बानी होती है, इसलिए कई जगह बकरा मंडी भी सजी है ।जिस तरह रमजान के महीने के बाद ईद का त्योहार मनाया जाता है, उसी तरह मुस्लिम परिवारों के लोग बकरीद का पर्व भी हर्षोल्लास से मनाते हैं। चांद नजर आने के बाद से पर्व की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। हाफिज मेराज ने बताया कि ईद–उल–अजहा का पर्व 29 जून को मनाया जाएगा। इस पर्व पर जहां ईदगाहों और प्रमुख मस्जिदों में नमाज अदा की जाती है, वहीं मुस्लिम परिवारों के लोग जानवरों की कुर्बानी भी करते हैं। शहर के टाउन हाल में बकरा मंडी लगी है, जहां शाम को काफी भीड़ उमड़ रही है। आसपास के गांवों से पशु पालक पहुंचते हैं, जहां बकरों की खरीदारी चलती है। पशु पालकों की माने तो इस बार बकरों की कीमत 10 हजार रुपये से शुरू है ।बकरीद पर घरों में प्रमुख पकवान के रूप में सेंवइयां बनती हैं।

आने वाले त्यौहार को लेकर पुलिस नही छोड़ रही कोई कसर

दंगाइयों पर काबू पाने के लिये पुलिस ने किया मार्कड्रिल

अयोध्या। आगामी त्यौहार को शांति पूर्वक ढंग से सम्पन्न कराने के लिये पुलिस प्रशासन कोई कोर कसर नहीं रखना चाहती।एसएसपी राज करन नैय्यर के निर्देश पर जहां प्रतिदिन सम्बंधित सीओ व प्रभारी निरीक्षकध्थानाध्यक्ष अपने अपने क्षेत्रों में शांति कमेटी की बैठक कर आने वाले पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये सभी लोगों से आपसी सामंजस्य स्थापित कर रहे हैं। इसी कड़ी में आने वाले त्यौहार के दौरान कोई भी अराजक तत्व किसी तरह का खलल न उत्पन्न करे इसके लिए अभी से पुलिस फुलप्रूफ तैयारी कर रखी है।उसी के तहत मंगलवार को पुलिस लाइन स्थित मैदान पर एसपी ग्रामीण अतुल कुमार सोनकर के नेतृत्व में दंगा नियंत्रण मार्कड्रिल किया गया।इस दौरान कुछ पुलिस कर्मियों ने दंगाइयों की भूमिका में नजर आये वही उन पर नियंत्रण पाने के लिये उस दौरान बरती जाने वाली सावधानियों में खासकर बॉडी वॉर्न कैमरा, डैश बॉर्ड कैमरा, ड्रोन कैमरा आदि से लैस पुलिस कर्मी नजर आ रहे थे।इस मौके पर पुलिस कर्मी शस्त्रों एवं दंगा नियंत्रण उपकरणों के लैस होकर दंगाई बने पुलिस कर्मियों से निपटने का कार्य कर रहे थे। इस मौके पर इन दंगाइयों से घोड़े पर सवार ,वाटर कैनन से लैस व आंसू गैस के माध्यम से पुलिस कर्मी नियंत्रण करते हुये दिखाई दे रहे थे।वही इस दौरान कई दंगाई घायल होते हुए भी दिखे। इस मौके पर एसपी ग्रामीण अतुल कुमार सोनकर ने बताया कि इस मार्कडिल का मकसद यह था कि आने वाले त्यौहार के दौरान अगर कोई भी अराजक तत्व किसी भी तरह का दंगा या अन्य किसी भी तरह का व्यवधान उत्पन्न करने कर माहौल बिगाड़ने का कोशिश करेगा तो पुलिस उनसे सख्ती से पेश आयेगी। इस मौके पर एसपी ग्रामीण अतुल कुमार सोनकर के अलावा सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह,सीओ लाइन आशीष निगम,सीएफओ एमपी सिंह, सीओ सदर संदीप सिंह सहित कई पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

लटकते तारों, जर्जर सड़कों से परेशान जागृति नगर के लोग

उमाकान्त लाला ब्यूरो चीफ 'शाहजहांपुर' । शहर में निगोही शाहबाजनगर रोड पर स्थित गदियाना बाहर चुंगी में जागृति नगर नवविकसित कालोनियों में से एक हैं। कॉलोनी में तमाम मकान बन चुके हैं और कई का निर्माण कार्य चल रहा हैं। कॉलोनी वासी आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है और परेशानियों का सामना कर रहे है। कॉलोनी की मुख्य सड़क ही जर्जर हैं। कॉलोनी से निकलने वाले नाले का गंदा पानी सड़कों पर भर जाता है। जिससे कॉलोनी वासियों का सड़कों पर निकलना मुश्किल हो गया हैं। कॉलोनी की एक गली में बिजली के कनेक्शन तो गए हैं परंतु अभी तक खंभे नहीं लग पाए हैं जिस कारण से मकान मालिकों ने 200 से 400 मीटर दूरी तक तार डालकर बिजली कनेक्शन को जोड़ा है यह तार इतने नीचे लटक रहे हैं जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। डूडा द्वारा बनाई गई सड़क पिछले 2 वर्ष से अधूरी है जिसकी वजह से नालियों का गंदा पानी व बरसात का पानी खाली पड़े प्लाटों व सड़कों पर भर रहा है जो तलाब का रुप ले रही हैं। जिससे डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियां फैलने का अंदेशा है। जिसकी शिकायत पूर्व में कई बार वार्ड मेम्बर (पूर्व सभासद) छंगे लाल राठौर से की गई परंतु उन्होंने ध्यान नहीं दिया और नगर पालिका परिषद व डूडा ऑफिस तथा कैबिनेट मंत्री सुरेश कुमार खन्ना को लेटर लिखकर अवगत कराया जा चुका है परंतु आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई।

वर्तमान में वार्ड मेम्बर (सभासद) रीता राठौर नेचुनाव से पूर्व सड़क को बनवाने, सोलर लाइट लगवाने, नाली बनवाने, साफ–सफाई तथा खंभे लगवाने के लिए कई वादे किए थे परंतु चुनाव पूर्ण होने के डेढ़ माह बीत जाने के बाद भी ना तो वार्ड मेंबर गलियों में दिखाई दिए और ना ही उन्होंने कोई वादा पूर्ण किया। जो भी वादे वार्ड मेंबर ने किए सभी वादे झूठे साबित होते नजर आ रहे हैं।

अयोध्या में सोलर बोट चलाने की हो रही तैयारी

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता)

यूपी नेडा और पर्यटन विभाग के सहयोग से संचालन,यूपी नेडा और पर्यटन विभाग के बीच हुआ एमओयू,ऊर्जा मंत्री और पर्यटन मंत्री मौजूदगी में हुए हस्ताक्षर,अयोध्या में सरयू का किनारा सोलर से लैस होगा,सोलर बोट से धार्मिक स्थानों के कराई जाएगी सैर,पहले चरण में 17 बोट को चलवाने का प्रस्ताव ,30 सीटर सोलर बोट से होंगे अयोध्या धाम के दर्शन.

अयोध्या के जिला महिला अस्पताल में भर्ती मरीजों कोअब इमरजेंसी में भी मिलेगा ब्लड

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता)

इसके लिए भटकने और ब्लड बैंक का चक्कर लगाने की नहीं पड़ेगी जरूरत। अस्पताल के एसएनसीयू (सिक न्यू बॉर्न केयर यूनिट) में आईएलआर (आइस लाइंड रेफ्रिजरेटर) किया गया स्थापित, 24 घंटे तक सुरक्षित रखा जा सकेगा ब्लड। सीएमएस डॉ. आरपी वर्मा ने बताया इमरजेंसी में रक्त की जरूरत होने पर विलंब से बचने के लिए की गई है व्यवस्था। महिलाओं व नवजात शिशुओं को मिलेगी सहूलियत।

बारिश में बढ़े सर्प दंश के मामले जिला अस्पताल पहुंचे एक ही दिन में पांच मरीज

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता)

सर्प दंश का शिकार खंडासा थाना क्षेत्र के सरोली गांव निवासी 20 वर्षीय राहुल शुक्ला पुत्र दिवाकर को 1रू10 बजे, तारुन थाना क्षेत्र के कुरईया गांव निवासी 17 वर्षीय नीतू शर्मा पुत्र इंद्रजीत को 1रू40 बजे तथा पूरा कलंदर थाना क्षेत्र के बल्ली पुर गांव निवासी 15 वर्षीय निर्मला पुत्री हरिनारायण को रात 2रू40 बजे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। तीनों रात में सोते समय सर्प दंश का शिकार हुए।सांप ने राहुल और नितिन के पैर और किशोरी निर्मला के हाथ में काटा था। इनमें से नितिन की हालत गंभीर होने के चलते इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर शिशिर श्रीवास्तव ने मेडिकल कॉलेज लखनऊ रेफर किया है। खेत में काम करने के दौरान सर्पदंश की शिकार रौनाही थाना क्षेत्र के पूरे टीकाराम कपासी निवासी 45 वर्षीय सवाला देवी पत्नी छेदीलाल को सुबह 9:30 बजे और इसी थाना क्षेत्र के बड़ा करेली निवासी 22 वर्षीय अंकित यादव पुत्र रामप्रसाद को 10:00 जिला अस्पताल लाया गया है। दोनों को चिकित्सक ने उपचार के लिए भर्ती किया है।

मेरा बूथ सबसे मजबूत के तहत हुआ कार्यक्रम

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) ।आज भोपाल (मध्य प्रदेश) से विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता एवं राष्ट्र उत्थान के प्रति समर्पित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ष्मेरा बूथ सबसे मजबूत संवाद कार्यक्रम के अन्तर्गत डिजिटल माध्यम से 10 लाख से अधिक भाजपा कार्यकर्ताओं को सम्बोधित किया। इसी क्रम मे अध्यक्ष जिला पंचायत हरदोई प्रेमावती ने जनपद हरदोई भड़ायल मण्डल के ग्राम जनसरी एवम् क्षेत्रीय महामंत्री भाजपा अवध क्षेत्र अनूसूचित मोर्चा पीके वर्मा ने बेहंदर मण्डल के विकासखण्ड सभागार मे भाजपा पदाधिकारियों एवं क्षेत्रवासियों के साथ प्रधानमंत्री का सम्बोधन सुनकर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व मे सेवा सुशासन व् गरीब कल्याण के 9वर्ष पूर्ण होने पर, भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी उपलब्धियों व योजनाओं के पत्रक वितरित किए। इस अवसर पर प्रमुख रूप से भड़ायल मंडल अध्यक्ष पंकज बाजपेई, पूर्व मंडल अध्यक्ष कृष्ण मोहन शुक्ला, मंडल महामंत्री मनोज तिवारी, संतोष भार्गव, मुंदन सिंह तथा बेहंदर मंडल प्रभारी विशुन दयाल शुक्ला, मंडल अध्यक्ष सुरेशपाल वर्मा, मंडल महामंत्री भानुप्रताप सिंह, सुधाकर सिंह, चंद्रपाल वर्मा व् सतीश कुमार गुप्ता सहित वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारी व् कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संचारी रोग और दस्तक अभियान को सफल बनाएं ग्राम प्रधान : बीडीओ

सुल्तानपुर– बल्दीराय ब्लॉक सभागार में संचारी रोग नियंत्रण अभियान को लेकर बैठक आयोजित हुई। जिसमें एक से 31 जुलाई तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायती राज विभाग के साथ अन्य विभागों के अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। बैठक में बीडीओ बल्दीराय सत्य नारायण सिंह ने अलग–अलग विभागों की ओर से अभियान के प्रति तैयार की गई योजनाओं के बारे में जानकारी ली। पंचायतीराज विभाग की ओर से गांव में अभियान चलाकर साफ–सफाई के लिए सफाई कर्मियों की टोलियों का गठन करने को कहा गया है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बल्दीराय से डॉ गया प्रसाद यादव व डॉ एसपी सिंह ने टीकाकरण अभियान के साथ अन्य कार्यों के बारे में बताया। बीडीओ ने बताया कि शासन के निर्देश पर एक जुलाई से 31 जुलाई तक संचारी रोग अभियान चलेगा।कार्यक्रम का संचालन एडीओ पंचायत दयावंत सिंह।बैठक में प्रधान प्रतिनिधि धर्मेंद्र तिवारी बड़े, प्रधान मोहम्मद सम्मू,प्रधान प्रतिनिधि गुलाम हैदर उर्फ बब्बू,प्रधान प्रतिनिधि कमाल खान,प्रधान प्रतिनिधि राजू सोनी,प्रधान मोहम्मद रिजवान,प्रधान उद्धव प्रताप यादव,श्याम नारायण सोनकर, बजरंग सिंह,सचिव रविकुमार राणा,अरविंद कुमार सिंह,घनश्याम यादव,चंदन गुप्ता,प्रधान प्रतिनिधि सुरेश यादव,शिवराम,महेश तिवारी,प्रिंस सिंह,राहुल यादव, राम चरित्र यादव, रंजीत कुमार,रहित चंद्रा,वेद प्रकाश यादव, हौसिला प्रसाद आदि मौजूद रहे।

पारंपरिक तरीके से मनाएं बकरीद का त्योहार : थानाध्यक्ष

सुल्तानपुर। पवित्र सावन माह एवं बकरीद पर्व को लेकर सोमवार को बल्दीराय थाना परिसर में थानाध्यक्ष की अध्यक्षता में शांति कमेटी की बैठक हुई। इसमें थानाध्यक्ष अमरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि परंपरा से हटकर कोई काम नहीं होगा और पारंपरिक तरीके से इस त्योहार को मनाया जाए।त्योहार पर गांव में शांति व्यवस्था बनी रहना चाहिए। किसी भी प्रकार की नई परंपरा की शुरुआत नहीं होनी चाहिए। त्योहार पुरानी परंपराओं पर ही मनाया जाए। सोशल मीडिया से हर गतिविधि पर प्रशासन की पूरी तरह से निगाह बनी है। किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और बकरीद का त्योहार अपनी परंपरा के अनुसार ही मनाएं।इस मौके पर वलीपुर चौकी इंचार्ज राकेश कुमार ओझा, देहली चौकी इंचार्ज हरिश्चंद्र,दारोगा सगीर अहमद,आचार्य सूर्यभान पांड़े, विशाल शुक्ला,भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश अग्रहरि,प्रदीप पांडे,नरेन्द्र अग्रहरि,हाजी मोईन बाबा,राजधर शुक्ला,प्रधान प्रतिनिधि शाकिर अब्बास,मोहम्मद नकी,प्रधान प्रतिनिधि मतलूब अली,फैयाज अहमद प्रधान मोहम्मद सम्मू,गुलाम हैदर उर्फ बब्बू,प्रधान प्रतिनिधि राजू सोनी,पूर्व प्रधान आफताब आलम पिंटू,प्रधान मोहम्मद रिजवान, प्रधान राजेश तिवारी,सतेंद्र सिंह,प्रधान कमाल खान,राजेश दुबे,प्रधान प्रतिनिधि सुरेश प्रजापति,प्रधान अरविंद यादव,भाजपा नेता नौसाद अहमद, कांपा प्रधान गोकरन शुक्ल,अली रजा,अकरम खान ,पूर्व प्रधान राम बहादुर,आदि लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की बैठक सम्पन्न

खराब कार्य करने वाली कार्यकत्रियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने का जिलाधिकारी ने दिया निर्देश

उमाकान्त लाला ब्यूरो चीफ शाहजहांपुर। जिलाधिकारी श्री उमेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पोषण समिति की बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने माह जून से सितम्बर 2023 तक चलने वाले संभव अभियान की समीक्षा की । उन्होने निर्देश दिये कि अर्न्तविभागीय समन्वय से कार्य किया जाये। जिलाधिकारी ने संभव अभियान में कुपोषित बच्चो का चिन्हीकरण एवं उपचार हेतु समस्त ग्राम प्रधानो के साथ बैठक करने का निर्देश दिया। उन्होने सहयोगी विभागो में जिला उद्यान अधिकारी को कुपोषण से मुक्ति हेतु सहजन के पेड़ देने , जिला पूर्ति अधिकारी को कुपोषित बच्चो को राशन कार्ड देनें तथा उपायुक्त मनरेगा को कुपोषित बच्चों के परिवार हेतु जॉब कार्ड उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने सभी चिन्हित सैम मैम तथा गंभीर अल्पवजन वाले बच्चों के उपचार एवं प्रबन्धन हेतु बी०एच०एस०एन०डी० सत्र पर संदर्भित कर ई–कवच पर अनिवार्य रूप से पंजीकृत करने हेतु निर्देशित किया। बैठक के दौरान राकेश पाण्डेय गंगा सीड्स ने आहार से उपचार विषय पर मोटा अनाज से कुपोषण निवारण हेतु अपना प्रस्तुतीकरण किया एवं कार्ययोजना रखी।जिलाधिकारी ने खराब कार्य करने वाली कार्यकत्रियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिये साथ ही बाल विकास विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने क्षेत्र में रहकर कार्य करने के निर्देश भी जिलाधिकारी ने दिये। उन्होने अधिशासी अभियन्ता विद्युत को निर्देश देते हुए अवशेष आगनवाड़ी केन्द्रो पर विद्युत कनेक्शन शीघ्र न कराये जाने पर आवश्यक कार्यवाही की जाये। पोषण किट का वितरण पूर्ण पारदर्शिता के साथ कराये जाने के निर्देश भी जिलाधिकारी ने दिये।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी , मुख्य चिकित्सा अधिकारी , उपनिदेशक कृषि , उपायुक्त मनरेगा , जिला पूर्ति अधिकारी , जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी , जिला पंचायत राज अधिकारी , जिला उद्यान अधिकारी राकेश पाण्डेय गंगा सीड्स सहित समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी उपस्थित थे ।

न मानक के अनुसार कर्मी और ना ही संसाधन,तो अग्निकांड पर कैसे लगे रोक ?

हाल बहुत ही अति संवेदनशील अग्निशमन विभाग का

अयोध्या। अग्निशमन विभाग में न मानक के अनुसार संसाधन और ना ही कर्मी।जिले में गर्मी के दिनों में आग लगने की बात तो पूछिए मत। एक दिन में एक समय पर अलग अलग थाना क्षेत्रों में कई जगह पर आग लगने की घटनाएं होती हैं।तब इतने ही संसाधन मे आग को काबू करना होता है।कभी कभी तो हालात यह हो जाती है कि अग्निशमन विभाग के कर्मियों को घटना स्थल तक पहुंचने में भी काफी देर हो जाती है। जिसके चलते आग से जन व धन दोनों की काफी क्षति होती है।मालूम हो कि अग्निशमन विभाग के पास कुल अट्ठारह बड़ी गाड़ी व मिनी फायर टेंडर है। जिसमें से ग्यारह छोटी बड़ी गाड़ियां बाहर तथा सात छोटी बड़ी गाड़ियां पुलिस लाइन मुख्यालय पर है।अगर देखा जाए तो राम जन्मभूमि परिसर में तीन, सोहावल मे जो कि रौनाही थाना परिसर में है ढाई हजार लीटर क्षमता वाला एक मिनी फायर टेंडर, एक बोलोरो टेंडर मय पंप, रुदौली थाना परिसर में भी एक ढाई हजार लीटर क्षमता वाला एक मिनी टेंडर, एक बोलेरो मय पंप, मिल्कीपुर क्षेत्र में पांच सौ लीटर का एक फायर टेंडर, एक बोलेरो कैंप मशीन इस समय मौके पर मौजूद हैं।अगर देखा जाए तो इसी तरह बीकापुर में साढ़े चार सौ लीटर क्षमता वाला एक हाई प्रेशर पंप,इसी तरह थाना महाराजगंज क्षेत्र में साढ़े चार सौ लीटर पानी क्षमता वाला एक हाई प्रेशर पंप मौजूद हैं।

जबकि पुलिस लाइन मुख्यालय पर दो छोटी गाड़ी हाई प्रेशर मय पंप तथा पांच फायर टेंडर मौके पर उपलब्ध है।अगर फायर कर्मियों की तैनाती पर ध्यान दे तो पुलिस लाइन स्थित मुख्यालय पर एक सीएफओ, पुलिस लाइन में एक एफएसएसओ,राम जन्मभूमि परिसर में एक एफएसओ, रुदौली में एक एफएसएसओ, मिल्कीपुर में एक एफएसएसओ की तैनाती है।इसी तरह से इस विभाग में 114 कांस्टेबल,18 चालक तथा 14 एल एफ एम पद पर कर्मियों की तैनाती है।अगर देखा जाए तो मुख्यालय को छोड़िए उन तहसील या थाना जहां पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां व कर्मियों की तैनाती है।उस क्षेत्र में कही पर अग्निकांड होती है तो सीमा क्षेत्र अधिक होने व मानक के मुताबिक संसाधनों व कर्मियों के कमी के चलते घटना स्थल पर पहुंच पाना मुश्किल रहता है।

क्या कहते हैं सीएफओ एमपी सिंह

सीएफओ एमपी सिंह खुद इस समस्या को स्वीकार करते हुए बताया कि वास्तव में देखा जाए तो इस समय ही नहीं पहले से ही इस विभाग में मानक के अनुसार न तो कर्मी ही है और न ही संसाधन।इस संबंध में कई बार संबंधित अधिकारियों व शासन को पत्राचार के माध्यम से अवगत कराया जा है। उन्होंने बताया कि हमारा प्रयास यही रहता है कि जिले में अग्निकांड की घटनाओं में कमी हो और अग्निकांड से होने वाले क्षति को बचाया जा सके।

प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली तिलहर के विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही करने के साथ दूसरे जिला में स्थानांतरण का हुआ निर्देश

उमाकान्त लाला ब्यूरो चीफ 'शाहजहाँपुर।प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली तिलहर राज कुमार शर्मा को जनपद से अन्यत्र स्थानान्तरित करते हुये उनके विरूद्ध अनुशासनिक कार्यवाही करने के निर्देश शासन ने जारी किया है।

जिलाधिकारी श्री उमेश प्रताप सिंह ने बताया कि प्रभारी निरीक्षक राज कुमार शर्मा द्वारा बरती जा रही अनुशासनहीनता , स्वेच्छाचारिता तथा जनसुनवाई के दौरान प्राप्त होने वाले प्रार्थना – पत्रों व शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में घोर लापरवाही बरतने , निस्तारित की गयी शिकायतों की समीक्षा के दौरान अत्यधिक असन्तुष्ट फीडबैक प्राप्त होने के परिप्रेक्ष्य में नोटिस जारी करते हुये कार्यप्रणाली में सुधार लाये जाने के निर्देश देने के साथ चेतावनी जारी करते हुये भविष्य हेतु सचेत किया गया, किन्तु इनकी कार्यप्रणाली में कोई सुधार नही हुआ। इसके अतिरिक्त इनके द्वारा कार्यो में लापरवाही निरन्तर बरती जाती रही जिसके दृष्टिगत उन्होने शासन को कार्यवाही हेतु पत्र प्रेषित किया था। शासन ने प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली तिलहर को जनपद से किसी दूसरे जिला में स्थानान्तरित करते हुये उनके विरूद्ध अनुशासनिक कार्यवाही करने के निर्देश अपर पुलिस महानिदेशक स्थापना लखनऊ एवं जनपद के पुलिस अधीक्षक को दिये गये है।

सीएमओ के नेतृत्व में विभागीय एसीएमओ ने हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का किया भ्रमण

लापरवाही पाये जाने पर कार्रवाई तय : सीएमओ

अयोध्या।सीएमओ डॉ अजय राजा व उनके नेतृत्व में एसीएमओ ने मंगलवार को ब्लॉक सोहावल के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर शेखपुर जाफर,जगनपुर और चिर्रा मोहम्मदपुर और पर्यवेक्षण सभी के द्वारा किया गया।भ्रमण में 110 सी एच ओ उपस्थित पाए गए इसके साथ ही साथ 43 एएनएम उपस्थित पाई गई शेष एएनएम अपने साप्ताहिक उपकेन्द्र जिन्हें हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के तौर पर उच्चीकृत किया गया है।जिसमें बेहतर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध रहे।इसी की हकीकत जानने के लिए हेल्थ एंड वेलनेस

सेंटर का भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी कर्मियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि किसी भी तरह की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। इस मौके पर उन्होंने बताया कि वर्तमान में जिन उपकेंद्रों को हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के रूप में उच्चीकृत किया गया है।वहां पर एक अतरिक्त कक्ष के निर्माण के साथ साथ सीएचओ की तैनाती भी है। जिसके चलते स्वास्थ्य सेवाओं को और भी बेहतर बनाया गया है।जिसका लाभ ग्रामीण क्षेत्र की आबादी को मिलता रहेगा। उन्होंने बताया कि अभी तक कुल 146 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का भ्रमण बैठक में सीएचसी पर उपस्थित थीं। उन्होंने बताया कि हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के पर्यवेक्षण करते रहने के निर्देश जिला स्तरीय विभागीय अधिकारियों सहित सीएचसी के अधीक्षक एवम अधिकारी कर्मचारी को दिए।इसके अलावा उन्होंने सभी अधीक्षकों को निर्देशित किया कि भविष्य में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर स्टॉफ की उपस्थिति शत प्रतिशत सुनिश्चित हो साथ ही सभी आवश्यक दवाएं और जांच किट, उपकरण सतत उपलब्ध रहे। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता की स्थिति में कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जा सकती है।क्योंकि आयुष्मान भारत कार्यक्रम के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित सेंटर का सुदृढ़ीकरण,सी एच ओ की शत प्रतिशत उपस्थिति,एएनएम की उपलब्धता,विद्युत कनेक्शन,टेली कंसल्टेशन,मेडिसिन की उपलब्धता,महत्वपूर्ण जांच किट की उपलब्धता को परखने के लिए सीएमओ डॉ अजय राजा के नेतृत्व में विभागीय एसीएमओ डॉ आर के सक्सेना, डाव दिलीप सिंह डाव डी के शर्मा, डाव बी एन यादव, डिप्टी सीएमओ डाव राम मणि शुक्ला, डाव वेद प्रकाश त्रिपाठी, डाव राजेश चौधरी, डीपीएम राम प्रकाश पटेल, डीसीपीएम अमित कुमार के साथ साथ सीएचसी स्तर पर सभी अधीक्षक, एच ई ओ, बीपीएम, बीसीपीएम एवम अन्य स्टॉफ द्वारा उनके ब्लॉक के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का सघन पर्यवेक्षण किया गया।

नगर पंचायत अध्यक्ष के खिलाफ खोला मोर्चा

संवाददाता

लखनऊ। नगर पंचायत परशदेपुर के सभासदों ने रविवार को नगर पंचायत अध्यक्ष विनोद कौशल के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। सभी ने आरोप लगाया कि बोर्ड की बैठक में उनको अपशब्द कहा गया। यह कतई बर्दाश्त नहीं होगा। वार्डों में विकास कार्यों को कराने के लिए प्राथमिकता देनी होगी।कस्बे के एक निजी विद्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में सभासद जगदीश कमल, मो. मुर्तजा, संदीप कुमार मोदनवाल ने कहा कि बोर्ड की पहली बैठक में अध्यक्ष ने सभासदों के साथ दुर्व्यवहार किया और अपशब्दों का प्रयोग किया।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24 / 234 / 2019 / R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।